RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 102 ● भिलाई, शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

भिवंडी में महावीर सिंथेटिक कंपनी में भीषण आग, दो दमकल गाड़ियां मौके पर

भिवंडी। महाराष्ट्र के भिवंडी के ग्रामीण इलाके में स्थित रहनाला गांव के महादेव मंडवी कॉम्प्लेक्स में सुबह तड़के महावीर सिंथेटिक कंपनी में भयानक आग लग गई। यह कंपनी ग्राउंड प्लस दो मंजिला इमारत में चलती है। आग दूसरे मंजिल पर भड़की, जहां ऑफिस और कपड़ों का गोदाम था। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, आग लगने का समय सुबह करीब साढ़े चार बजे का बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही भिवंडी अग्निशमन दल की दो दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए जोर-शोर से प्रयास कर रहे हैं। आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि दूसरे मंजिल की दीवार ढह गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कंपनी में रखे गैस सिलेंडर में विस्फोट होने से दीवार गिर पड़ी। इससे आसपास के लोग दहशत में आ गए, लेकिन समय रहते निकासी हो गई। आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। अधिकारी शॉर्ट सर्किट या गैस लीक जैसी संभावनाओं की जांच कर रहे हैं।

हिमाचल से लेकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान तक भूकंप के झटके

नई दिल्ली। बीते कुछ घंटों के दौरान तिब्बत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और भारत के हिमाचल प्रदेश तथा लद्दाख में भूकंप के झटके महसूस किए गए। लगातार आए इन झटकों से लोगों में दहशत फैल गई, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप की तीव्रता क्रमश: तिब्बत में 4.0, पाकिस्तान में 4.6, अफगानिस्तान में 4.3, शिमला में 2.8 और लेह में 3.7 मापी गई। ये सभी क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं, जिसके चलते प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। तिब्बत में आए 4.0 तीव्रता के भूकंप का केंद्र पहाड़ी क्षेत्र में रहा। झटके हल्के महसूस किए गए और किसी तरह की क्षति की सूचना नहीं है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को एहतियातन सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। पाकिस्तान में 4.6 और अफगानिस्तान में 4.3 तीव्रता के भूकंप दर्ज किए गए।

चाय वाले के ठिकाने पर छापा 3 हिरासत में

गोपालगंज। गोपालगंज पुलिस ने साइबर फ्रॉड के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक को अंजाम देते हुए भारी मात्रा में कैश और साइबर ठगी से जुड़े दस्तावेज बरामद किए हैं। यह कार्रवाई देर रात थावे थाना क्षेत्र के कविलासपुर गांव में की गई। इस पूरे अभियान का नेतृत्व साइबर डीएसपी अवंतिका दिलीप कुमार ने किया। पुलिस ने एक मकान पर छापेमारी कर कुल 1 करोड़ 05 लाख 49,850 रुपये नकद जब्त किए। बरामदगी के दौरान पुलिस ने मौके से 85 एटीएम कार्ड, 75 बैंक पासबुक, 28 चेकबुक, आधार कार्ड, दो लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन और एक कार भी कब्जे में ली है।

महागठबंधन का एलान

तेजस्वी यादव को सीएम पद का उम्मीदवार घोषित किया

पटना/ एजेंसी

बिहार चुनाव को लेकर महागठबंधन ने गुरुवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद के चेहरों का एलान कर दिया। महागठबंधन ने स्पष्ट कहा कि पूरा गठबंधन एकजुट है। बिहार में बदलाव लाने के लिए तैयार है। महागठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा तेजस्वी यादव होंगे। वहीं मुकेश सहनी को महागठबंधन ने उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि, सरकार बनने पर अन्य वर्गों से भी उपमुख्यमंत्री बनाएं जाएंगे। सभी दलों ने एक स्वर में कहा कि भारी बहुमत से हमलोग सरकार बनाने जा रहे हैं। वहीं वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि हमलोग पिछले साढ़े तीन साल से इस समय का इंतजार कर रहे थे। हमलोगों ने प्रण लिया था कि जब तक भाजपा को तोड़ेंगे नहीं, तब तक छोड़ेंगे नहीं। आज वह समय आ चुका है। चुनाव के बाद बिहार की जनता भाजपा को खदेड़ देगी। महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है। वहीं भाकपा माले के वरिष्ठ नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि 2020 के विधानसभा चुनाव में कुछ चंद सीटों के कारण हमलोग सरकार नहीं बना पाए। आज फिर से वह समय आया है। नीतीश सरकार ने छात्रों के साथ अन्याय किया। उनपर लाठियां बरसाई। महिलाओं को रोजगार योजना के नाम पर 10 हजार देकर छल किया। पूरे देश में लोगों की आशंका है कि क्या बिहार में महाराष्ट्र चुनाव वाला किस्सा दोहराया जाएगा। लेकिन, हम लोगों को आश्वास्त करते हैं कि बिहार बिल्कुल तैयार है। महागठबंधन के सातों दल पूरी एकता के साथ बदलाव के एजेंडे को पूरा करेंगे। वहीं राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में एनडीए को अच्छी टक्कर दी। पिछले चुनाव में महागठबंधन मामूली वोटों के अंतर से पीछे रह गए। एनडीए संवैधानिक संस्थाओं को दुरुपयोग कर खेला करना चाहताा है। यह लोग चुनाव जीतने के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार हैं। इस चुनाव में अगले मुख्यमंत्री के रूप में हमलोग तेजस्वी यादव को चुनते हैं। वह नौजवान हैं। जो कहते हैं करते हैं। अब तक जो वादे किए, उसमें खड़े उतरे। इसलिए महागठबंधन ने फैसला लिया है कि हमलोगों का मुख्यमंत्री चेहरा तेजस्वी यादव ही होंगे। वहीं अशोक गहलोत ने कहा कि मुकेश सहनी की पार्टी महागठबंधन के प्रमुख दलों में से एक हैं। उनकी छवि को देखते हुए महागठबंधन उन्हें डिप्टी सीएम का फेस घोषित करता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन को नया बिहार बनाना है। इसलिए हमलोग एकजुट हुए हैं। हमलोग इस निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले चुके हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के साथ एनडीए में अन्याय किया गया है।

महागठबंधन की घोषणा पर भाजपा का तंज, कहा-लालू ने टॉर्चर करके जबरन बेटे को बनवाया सीएम पद का उम्मीदवार

महागठबंधन ने आज तेजस्वी यादव को सीएम फेस बताया, जिसके बाद भाजपा ने विपक्ष पर जमकर बोला। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने महागठबंधन को 'लचर' गठबंधन बताते हुए कई सवाल खड़े किए। रविशंकर प्रसाद ने तेजस्वी यादव से सीधा सवाल किया है कि वह भ्रष्टाचार की किस कहानी पर विश्वास करते हैं? खुद की, या अपने पिताजी, माताजी और सहयोगियों की? उन्होंने याद दिलाया कि राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव को चारा घोटाले के चार मामलों में 32 साल पांच महीने की सजा हो चुकी है। रविशंकर प्रसाद ने तेजस्वी यादव के भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस के दावे पर तंज कसते हुए कहा कि उनके पिताजी को 32 साल की सजा हुई है और अलकतरा घोटाले में भी उनके अधिकारियों को सजा हो चुकी है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव की घोषणा सिर्फ शुद्ध हवाबाजी है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि तेजस्वी यादव का मॉडल पहले से ही साफ है, होटल और नौकरी लो और जमीन दो। उन्होंने बिहार की जनता से अपील करते हुए कहा कि तेजस्वी के बैकग्राउंड को देखते हुए उनसे सावधान रहने की जरूरत है।

जेपी नड्डा बोले

यह एनडीए के 'विकास' और आरजेडी के विनाशकी लड़ाई

नई दिल्ली/ एजेंसी

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव एनजीए के 'विकास' और विपक्षी गठबंधन के 'विनाश' के बीच की लड़ाई है। औरंगाबाद जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए, नड्डा ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और उस पर एक परजीवी पार्टी होने का आरोप लगाया, जो अपने छोटे सहयोगियों को खत्म कर देती है। नड्डा ने राजद पर सबसे तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद की पार्टी 'रंगदारी',

'जंगल राज' और 'दादागिरी' का प्रतीक है। युवाओं को नौकरी देने और पलायन रोकने के राजद नेता तेजस्वी यादव के वादे का मजाक उड़ाते हुए, नड्डा ने कहा कि ऐसे वादे उन्हें जमीन के बदले नौकरी घोटाले में पार्टी की कथित संलिप्तता की याद दिलाते हैं। उन्होंने पूछा कि हर परिवार को सरकारी नौकरी देने के लिए पैसा कहां से आएगा। नड्डा ने गैंगस्टर से नेता बने दिवंगत मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को आगामी चुनावों में टिकट देने के लिए भी राजद की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'राजद ने शहाबुद्दीन के बेटे को मैदान में उतारा है... अगर वह ऐसे उम्मीदवार उतारेगी तो बिहार के लोगों की सेफ्टी कैसे सुनिश्चित कर पाएगी? लालू की राजद रंगदारी, जंगलराज और दादागिरी की प्रतीक है।' बता दें, राजद ने शहाब को सीवान जिले के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से उतारा है।

डायन के आरोप में आदिवासी महिला की पीट-पीटकर हत्या

पुरुलिया। इस देश में आज भी तमाम जगहों पर कथित डायन के नाम पर हत्याओं का दौर थमा नहीं है। एक बार फिर पुरुलिया जिले में अंधविश्वास की एक और दर्दनाक घटना सामने आई है। पाड़ा थाना क्षेत्र के चापुड़ी गांव में आदिवासी महिला पदबी टुडू (37) को डायन बताकर उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। उक्त घटना काली पूजा की रात परा थाना क्षेत्र के चापुरि गांव की है। पुलिस ने आज इस मामले में आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मृतका के रिश्तेदार भी शामिल हैं। हमले के दौरान आरोपियों ने लोहे की राड और भारी वस्तुओं से पदबी टुडू पर कई जोरदार वार किए।

बिहार में चुनावी बिगुल फूंकेंगे शाह-मोदी!

मिशन बिहार पर शाह का तीन दिवसीय दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अक्टूबर को अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करने वाले हैं। उनका पहला पड़ाव बेहद प्रतीकात्मक है, जहाँ वे समस्तीपुर के कर्पूरी ग्राम में भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस कदम को राज्य में एक महत्वपूर्ण मतदाता वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) के लिए एक रणनीतिक अपील के रूप में देखा जा रहा है। पटना के स्थानीय कार्यक्रमबिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के बड़े नेता चुनाव प्रचार में जुट गए हैं और प्रधानमंत्री

तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चुनावी सभा के लिये पटना पहुंचेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। भाजपा सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जहां बृहस्पतिवार को बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचेंगे।

हर 100 किलोमीटर पर होगी ये खास सुविधा

फायर सर्विस में जल्द बनेगी स्पेशलाइज्ड यूनिट-योगी.....

लखनऊ/ एजेंसी

सीएम योगी ने कहा, प्रदेश में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण की गति को देखते हुए अग्निशमन विभाग की संरचना को अधिक सशक्त, आधुनिक व जनसुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है। फायर सर्विस को केवल आग बुझाने तक सीमित न रखकर इसे आपदा प्रबन्धन, रेस्क्यू ऑपरेशन और आपात सेवाओं के समेकित स्वरूप में विकसित किया जाए। सीएम योगी अपने सरकारी आवास पर अग्निशमन एवं आपात

सेवा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक रीजन में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं व सुपर हाईराइज बिल्डिंग जैसी परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हो। मुख्यमंत्री ने फायर सर्विस को अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित जनशक्ति से सुसज्जित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विभाग में नए पदों के सृजन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की प्रशासनिक क्षमता और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनपद में अकाउण्ट कैडर स्थापित किया जाए। साथ ही, राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में अतिरिक्त पद सृजित कर प्रशिक्षण व अनुसंधान की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जाए।

इंसानियत शर्मसार! दलित ड्राइवर से क्रूरता की हदें पार, किडनैप कर पीटा

भिंड। मध्य प्रदेश के भिंड में दिवाली के पावन अवसर पर मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहां तीन दबंग बदमाशों ने एक दलित ट्रक ड्राइवर को सिर्फ इसलिए किडनैप कर लिया, क्योंकि उसने ट्रक चलाने से मना कर दिया था। आरोपियों ने ड्राइवर से न सिर्फ जमकर मारपीट की, बल्कि उसे जबरन पेशाब पीने पर भी मजबूर किया। हालांकि, पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, लेकिन इस अमानवीय घटना ने अब तूल पकड़ लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने निर्देश दिए।

नियुक्ति प्रक्रिया हुई शुरू

जस्टिस सूर्यकांत हो सकते हैं देश के अगले सीजेआई

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्र सरकार ने गुरुवार को भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है क्योंकि वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई 23 नवंबर को पद से मुक्त हो रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया से वाकिफ सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति गवई को उनके उत्तराधिकारी के नाम का अनुरोध करने वाला पत्र आज शाम या शुक्रवार को भेजा जाएगा। प्रक्रिया ज्ञापन के अनुसार, जो सर्वोच्च

न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति, स्थानांतरण और पदोन्नति का मार्गदर्शन करने वाले दस्तावेजों का एक सेट है, में कहा गया है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की होनी चाहिए, जिन्हें पद धारण करने के लिए उपयुक्त माना जाए। केंद्रीय कानून मंत्री, उचित समय पर, अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति के लिए भारत के निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश से सिफारिश मांगेंगे। परंपरागत रूप से, यह पत्र वर्तमान मुख्य न्यायाधीश के 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त होने से एक महीने पहले भेजा जाता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत भारत के मुख्य न्यायाधीश के बाद सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और भारतीय न्यायपालिका के प्रमुख बनने की कतार में अगले स्थान पर हैं।

इन आधुनिक हथियारों से थर-थर कांपेंगे दुश्मन देश..

रक्षा मंत्रालय ने 79 हजार करोड़ रूपए के सौदे को दी मंजूरी

नयी दिल्ली/ एजेंसी

भारत ने सेना की लड़ाकू क्षमताओं को बलढ़ाने के लिए नाग मिसाइलों, युद्धक जहाजों और इलेक्ट्रॉनिक खुफिया एवं निगरानी प्रणालियों सहित 79,000 करोड़ रुपये के हथियार और सैन्य साजो-सामान खरीदने के प्रस्तावों को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) की बैठक में खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई. 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद खरीद पर यह दूसरा बड़ा फैसला है. पांच अगस्त को 67,000 करोड़ रुपये की खरीद परियोजनाओं को मंजूरी दी गई. रक्षा मंत्रालय ने कहा कि डीएसी ने लगभग 79,000 करोड़ रुपये की कुल लागत के विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी. भारतीय नौसेना के लिए, लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स (एलपीडी), 30 मिमी नेवल सरफेस गन (एनएसजी), एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो (एएलडब्ल्यूटी), इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इन्फ्रा-रेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और 76 मिमी सुपर रैपिड गन माउंट के लिए गोला-बारूद की खरीद को मंजूरी दी गई. एलपीडी की खरीद से भारतीय नौसेना को भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के साथ जल-थल अभियानों को अंजाम देने में मदद मिलेगी. एलपीडी द्वारा प्रदान की गई एकीकृत समुद्री क्षमता भारतीय नौसेना को शांति अभियानों, मानवीय सहायता और आपदा राहत में भी मदद करेगी. बयान में कहा गया, डीआरडीओ की नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित एएलडब्ल्यूटी

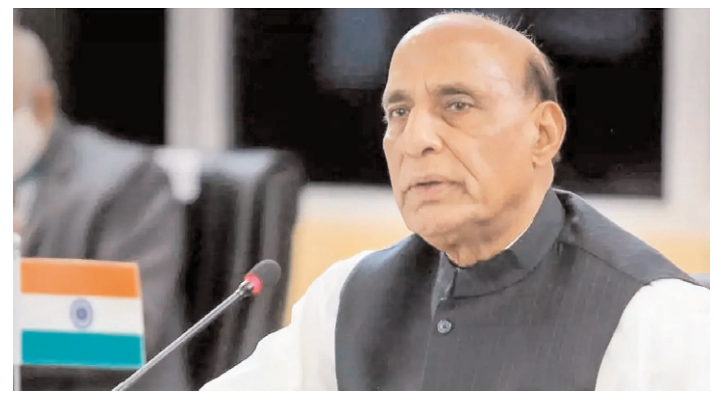

को शामिल करने से पारंपरिक, परमाणु और छोटी पनडुब्बियों को निशाना बनाया जा सकेगा. इसमें कहा गया कि 30 मिमी एनएसजी की खरीद से भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल की कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों और समुद्री डकैती विरोधी भूमिकाओं को निभाने की क्षमता में वृद्धि होगी. भारतीय सेना के लिए, नाग मिसाइल सिस्टम एमके-दो , ग्राउंड बेस्ड मोबाइल ईएलआईएनटी सिस्टम और मैटेरियल हैंडलिंग क्रेन सहित हाई मोबिलिटी व्हीकल्स की खरीद को लेकर स्वीकृति प्रदान की गई. एनएएमआईएस (ट्रैक्ड) की खरीद से भारतीय सेना की दुश्मन के लड़ाकू वाहनों, बंकरों और अन्य क्षेत्रीय किलेबंदी को निष्क्रिय करने की क्षमता बलढ़ेगी, जबकि जीबीएमईएस दुश्मन के उत्सर्जकों की चौबीसों घंटे इलेक्ट्रॉनिक खुफिया जानकारी प्रदान करेगा. एचएमवी के शामिल होने से विविध भौगोलिक क्षेत्रों में सेनाओं की रसद सहायता में उल्लेखनीय सुधार होगा. वायु सेना के लिए, समन्वित लंबी दूरी लक्ष्य संतृप्ति/विनाश प्रणाली (सीएलआरटीएस /डीएस) और अन्य प्रस्तावों के लिए मंजूरी दी गई. सीएलआरटीएस/डीएस में मिशन क्षेत्र में स्वचालित टेक-ऑफ लैंडिंग, नेविगेशन, पता लगाने और पेलोड पहुंचाने की क्षमता है.

नौसेना को मिली स्वदेशी तकनीक से बनी पहली एंटी-सबमरीन युद्धपोत

भारत की नौसैनिक शक्ति को मजबूती देने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने भारतीय नौसेना को स्वदेशी रूप से निर्मित पहली एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट 'माहे' को सौंप दिया है। यह आठ युद्धपोतों की श्रृंखला में पहला जहाज है, जिसे गुरुवार को कोच्चि में औपचारिक रूप से नौसेना को डिलीवर किया गया। इस मौके पर सीएसएल के निदेशक डॉएस हरिकृष्णन और 'माहे' के कमांडिंग ऑफिसर कमांडर अमित चंद्र चौबे के बीच हस्ताक्षर हुए। इस दौरान वेस्टर्न नेवल कमांड के चीफस्टाफऑफिसर रियर एडमिरल आर. अधिस्रीनिवासन, वॉरशिप प्रोडक्शन सुपरिंटेंडेंट कमोडोर अनुप मेनन और नौसेना व सीएसएल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शहीदों के परिजनों को श्रीफल एवं साल भेंट कर किया गया सम्मान

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

बीजापुर। पुलिस स्मृति दिवस पर (1 सितम्बर 2024 से 31 अगस्त 2025 तक) सम्पूर्ण भारत मे सशस्त्र एवं अर्द्धसैनिक बल के जवान जिन्होने आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था में अपने प्राण न्यौछावर किये है, उन शहीद जवानों को श्रद्धांजली दी जाती है। उक्त अवधि में कुल 191 जवानों ने देश की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किये, छत्तीसगढ से 16 जवान शहीद हुये। जिला बीजापुर में माओवादी घटना में एसटीएफ-01, छसबल 01,केरिपु बल -02 एवं जिला बल-04 कुल 08 जवान शहीद हुये । पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव द्वारा शहीद जवानों की नामावाली का वाचन किया गया, नामावली के वाचन उपरान्त नामावली शहीद स्मारक को अर्पित की गई, शहीदों को सलामी उपरान्त शहीदों की याद में 02 मिनट का मौन धारण किया गया। सलामी उपरान्त जनप्रतिनिधियों, अधिकारी/कर्मचरियों एवं शहीद परिवार द्वारा शहीद स्मारक पर रिथ एवं पुष्प अर्पण कर शहीद जवानों को श्रद्धांजली दी गई। उप पुलिस महानिरीक्षक केरिपु सेक्टर बीजापुर बी.एस. नेगी, पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव, सेनानी 15वी भा/र वाहिनी छसबल धनोरा मयंक गुर्जर, कमांडेंट 229 केरिपु ब्रजेश सिंह, कमांडेंट 85 केरिपु सुनील कुमार राही, अति. पुलिस अधीक्षक ऑप्स अमन कुमार झा, अपर कलेक्टर भूपेंद्र अग्रवाल, अति. पुलिस अधीक्षक बीजापुर चन्द्रकांत गवर्ना,अति. पुलिस अधीक्षक बीजापुर यूलैंडन यॉर्क शहीद परिवार से रूबरू हुए उन्हे सम्मान स्वरूप श्रीफल एवं साल भेंट किया गया। शहीद परिवार को उनके स्वत्वों के भुगतान के सबंध में जानकारी लिये एवं विश्वास दिलाये की किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अपनी समस्याओं से अवगत करावे, आपकी समस्याओं के निराकरण हेतु हरसंभव प्रयास किया जायेगा। शहीद परिजनों के बच्चों को छात्रवृति हेतु शासन के योजनाओं के लाभ हेतु सबंधित लिपिक को छात्रवृत्ति हेतु आवेदन पत्र शिक्षा विभाग को भेजे जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग, अर्द्धसैनिक बल, जिला प्रशासन के अधिकारी/कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें। जिला बीजापुर अन्तर्गत थाना क्षेत्र में निवासरत शहीद जवानों ने जिन स्कूलो में अपनी शिक्षा ग्रहण किये है उन स्कूलों में शहीद को श्रद्धांजली गई।

जिले में भव्य एवं गरिमामय ढंग से आयोजित हो जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह : दिव्या मिश्रा

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के अवसर पर पूरे राज्य में 2 से 4 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्योत्सव समारोह के अंतर्गत बालोद जिले में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का आयोजन भव्य एवं गरिमामय ढंग से सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने बुधवार को संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में जिला मुख्यालय बालोद के स्व. सरयु प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह के आयोजन के तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को राज्योत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक, अजय किशोर लकरा एवं नूतन कंवर सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की धान खरीदी तैयारियों की समीक्षा- बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह के अंतर्गत विभिन्न विभागों को सौंपे गए दायित्वों के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने राज्योत्सव स्थल में विभिन्न विभागों को प्रदर्शनी लगाकर अपने-अपने विभागों के उपलब्धियों एवं विकास कार्यों प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने समारोह में सभ्य, शालिन एवं गरिमामय ढंग से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने राज्योत्सव समारोह के अंतर्गत आमंत्रण पत्रों की छपाई एवं वितरण, निर्बाध विद्युत व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था सहित अन्य सभी कार्यों को सुचारू रूप संपादित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में दिव्या मिश्रा ने राज्य में 17 नवंबर से शुरू हो रहे समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के तैयारियों की भी समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि 15 एवं 16 नवंबर को अवकाश होने के कारण इस

किरंदुल के गौशाला में धूमधाम से मनाया गया गोवर्धन पूजा का पर्व, बंटा अन्नकूट

किरंदुल। विक्रम संवत 2082, कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा की पावन तिथि में छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग के कुआकोंडा ब्लॉक अध्यक्ष रामकृष्ण बैरागी की सपरिवार उपस्थिति में स्थानीय गौशाला में नगरपालिका अध्यक्ष, गौसेवकों, समाज सेवकों की गरिमामयी उपस्थिति में धूमधाम से गोवर्धन पूजा का पावन पर्व मनाया गया। गायों की पूजा की और उन्हें गुड़ व हरा चारा खिलाया। छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के कुआकोंडा ब्लॉक अध्यक्ष रामकृष्ण बैरागी, नगरपालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी शशिभूषण महापात्र, गौसेवक धर्मपाल मिश्रा द्वारा गोवर्धन पर्वत,प्रकृति एवं गौ-माता के महत्व, पूजन पर अपने विचार व्यक्त किए तथा सभी उपस्थित समस्त गौसेवकों, नगरपरिवार को गोवर्धन पूजा की बधाई दी गई। गायों की पूजा, भोग पश्चात अन्नकूट का प्रसाद वितरण किया गया। गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण द्वारा इंद्रदेव के अभिमान को तोड़ने और ब्रजवासियों को भारी वर्षा से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाने की लीला की याद में मनाई जाती है। पौराणिक कथा के अनुसार, इंद्रदेव ने क्रोधित होकर ब्रज पर मूसलाधार वर्षा की थी, जिसे रोकने के लिए भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उठाकर ब्रजवासियों और उनके पशुओं को आश्रय दिया था। इस दिन लोग गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर उसकी पूजा करते हैं और अन्नकूट (कई प्रकार के व्यंजनों का भोग) का आयोजन करते हैं। भगवान कृष्ण ने ब्रजवासियों को सात दिन तक आश्रय देने के बाद प्रकृति के सम्मान का संदेश दिया था। यह पूजा प्रकृति और गोधन (पशुधन) के महत्व को दर्शाती है। इस अवसर पर राजेंद्र यादव, विकास स्वामी पद्मवार, पूर्णिमा अवस्थी, तपन दास, अनूप बिश्वास, गौरीशंकर तिवारी, ओमकुमार साहू, पदमा राव सहित नगरपरिवार के गणमान्य जन उपस्थित थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्यों के लिए बालोद जिले को प्रदान किया स्क्रीन फेलिसिटेशन अवार्ड

- इस महत्वपूर्ण उलपब्धि के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास का जिला प्रशासन द्वारा किया गया सम्मान

बालोद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत बालोद जिले में हुए उल्लेखनीय कार्यों के लिए बालोद जिले को स्क्रीन फेलिसिटेशन अवार्ड से सम्मानित किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने शुक्रवार आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत 17 अक्टूबर को विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में बालोद जिले में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत बालोद जिले में हुए उल्लेखनीय कार्यो के लिए आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा को स्क्रीन फेलिसिटेशन अवार्ड प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत बालोद जिले के चयनित 186 जनजातीय बहुल ग्रामों में निवासरत जनजातीय परिवार के लोगों से डोर टू डोर संपर्क कर एवं इन ग्रामों में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के माध्यम से शासकीय योजनाओं को प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के अलावा जमीनी स्तर पर नेतृत्व को सशक्त बनाने तथा जनजातीय लोगों को मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का सराहनीय प्रयास किया गया है।

कलेक्टर दिव्या ने की सराहना- इसके अलावा इस दौरान जिले के चयनित सभी 186 गांवों में ट्राईबल विलेज एक्शन प्लान एवं ट्राईबल विलेज विजन 2030 तैयार किया गया। जिसके फलस्वरूप भारत सरकार के द्वारा बालोद जिले को स्क्रीन फेलिसिटेशन अवार्ड प्रदान किया गया है। बालोद जिले को प्राप्त इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बुधवार को बालोद जिला प्रशासन द्वारा सयुंक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा एवं अन्य अधिकारियों ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विजय सिंह कंवर सहित एसडीएम सुरेश साहू एवं जनपद पंचायत डौण्डी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीडी मण्डले सहित इस कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों का सम्मान किया गया। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिले को प्राप्त इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की भूरी-भूरी सराहना करते हुए इसके प्रमुख सूत्रधार सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विजय सिंह कंवर सहित अन्य अधिकारियों के कार्यो की भूरी-भूरी सराहना की। इसके लिए उन्होंने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सहित इस कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने वाले सभी अधिकारी-कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

दिपावली में रोशनी से ज्यादा भ्रम की स्थिति आम जनता की जेब खाली और उमंग ठंडी

रामानुजगंज। त्योहारों के बाद बाजार की रौनक और खरीदारी के दावे हर साल सुर्खियों में रहते हैं, व्यापारियों ने बताया कि इस बार का बाजार उतना उत्साहित नहीं था,जितनी उम्मीद की जा रही थी। त्योहारों से पहले ही बढ़ती महंगाई,बेरोजगारी और घटती आमदनी ने उपभोक्ताओं की जेब पर भारी असर डाला है। पेट्रोल,गैस,दूध, सब्जी और जरूरी सामानों की कीमतें पहले से ही ऊँची थीं। ऐसे में आम परिवारों ने दिवाली की खरीदारी में जरूरी चीजों तक खुद को सीमित रखा। व्यापारियों ने बताया कि भीड़ तो थी,लेकिन खरीदने वाले कम थे। लोग घूमने और देखने जरूर आए,लेकिन बड़े खर्च नहीं किए,गुजारे की चिंता में लोग इस बार सिर्फ दीये,मिठाईया छोटी चीजें ले जा रहे थे। बाजार में इस बार असली बिक्री से ज्यादा ऑफर और डिस्काउंट का सहारा लिया गया। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी उपभोक्ताओं ने केवल सस्ती चीजें खरीदीं जैसे गिफ्ट आइटम्स,सस्ते इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू सामान। मंहगे उत्पादों जैसे मोबाइल,आभूषण और लग्जरी वस्तुओं की बिक्री या तो स्थिर रही या घटी। कई व्यापारियों ने माना कि इस बार दिवाली का मुनाफा कागजों में तो दिखा, लेकिन कैश काउंटर पर नहीं। लोगों की जेबें तंग हैं,रोजगार की स्थिति चुनौतीपूर्ण है और बढ़ती महंगाई ने उत्सव की चमक पर असर डाला है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि इस बार की दिवाली रोशनी से ज्यादा भ्रम की दिवाली रही।

दीपावली एवं नवाखाई के पावन पर्व पर कुआकोण्डा जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी निःशक्तजनों को

किरंदुल। रोशनी के महापर्व दीपावली और नई फसल के उत्सव नवाखाई (कोडता) के शुभ अवसर पर,क्षेत्र में सेवा और मानवता की एक सुंदर मिसाल देखने को मिली। इस दोहरे उत्सव की खुशी को दोगुना करते हुए,कुआकोंडा जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी एवं उनके पूरे मुड़ामी परिवार ने समाज के जरूरतमंद वर्ग के प्रति अपनी संवेदना और जिम्मेदारी का परिचय दिया।?सेवा और सम्मान का आयोजन इस पावन अवसर पर सुकालू मुड़ामी और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा सोमवार रात्रि एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के उन निशक्त जनों की मदद करना था,जिन्हें सहारे की आवश्यकता हैं।दीपावली के उल्लास और बढ़ती ठंड को ध्यान में रखते हुए, मुड़ामी परिवार ने निशक्त व्यक्तियों को गर्म कपड़े और कंबलों का वितरण किया।?यह केवल एक वितरण कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह उन लोगों के प्रति सम्मान और अपनेपन की भावना को व्यक्त करने का एक प्रयास था।सुकालू मुड़ामी ने स्वयं अपने हाथों से जरूरतमंदों को कंबल और वस्त्र भेंट किए, जिससे उन सभी के चेहरों पर एक आत्मसंतोष और खुशी की लहर दौड़ गई।

रात्रि जागरण कर श्रद्धालु जुटे माँ काली की पूजा में सुख-शांति की कामना की

किरंदुल। दीपावली के शुभ अवसर पर अमावस्या की रात किरंदुल स्थित बंगाली कैंप में बंगीय समाज द्वारा काली माता की पूजा अर्चना की गई सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात पंडित मिलन चक्रवर्ती द्वारा पूजा अर्चना प्रारंभ की गई जो सुबह मंगलवार तक चला।इस दौरान रात्रि जागरण कर पूजन हवन एवं पुष्पांजलि में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लिए तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।

महिला समूहों के उत्पादों से सजी दीपावली, ग्रामीण महिलाओं के हुनर को मिला मंच

बलरामपुर। रजत जयंती वर्ष एवं दीपावली पर्व के अवसर पर जिला मुख्यालय बलरामपुर में पूर्व माध्यमिक विद्यालय बरियाडीह के पास 16 से 19 अक्टूबर 2025 तक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत बिहान बाजार का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दीपावली से जुड़ी पारंपरिक वस्तुओं का रहा आकर्षण – चार दिवसीय इस आयोजन में दीपावली पर्व से संबंधित पारंपरिक वस्तुएँ जैसे मिट्टी के दीपक, बाती, लाई, बताशा, बाँस से निर्मित उपयोगी सामान, खाद्य सामग्री शुद्ध सरसों का तेल, श्रृंगार सामग्री, सहित अन्य उपयोगी वस्तुओं के साथ ही फूड ज़ोन भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना जहाँ दीपावली की तैयारी से जुड़ी हर सामग्री एक ही स्थान पर उपलब्ध रही।

ग्रामीण महिला समूहों के उत्पादों को मिली पहचान – बिहान बाजार में ग्रामीण स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के उत्पादों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। जहां विभिन्न महिला समूहों ने पारंपरिक और स्थानीय उत्पाद प्रस्तुत किए,जिन्हें प्रशासन और आम नागरिकों द्वारा प्रोत्साहित किया गया। कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने सपरिवार बिहान बाजार का भ्रमण कर से दिवाली के लिए खरीदी की। जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर ने स्वयं विभिन्न स्टॉलों से क्रय कर ग्रामीण उत्पादकों का सहयोग करने आम नागरिकों से खरीदी करने अपील भी की थी।

9 महिला समूहों ने की 4.53 लाख की बिक्री – बिहान बाजार में कुल 9 महिला स्व-सहायता समूहों ने अपने स्टॉल लगाए। इन समूहों द्वारा चार दिवसों में लगभग 4 लाख 53 हजार रुपये की सामग्रियों का विक्रय किया गया। ग्रामीण महिलाओं की सफलता उनके मेहनत, गुणवत्ता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन रही है। राज्य सरकार की बिहान योजना के अंतर्गत यह उपलब्धि महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त कदम है।

लोकल फॉर वोकल को मिला नया आयाम – बिहान बाजार न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का माध्यम बना,बल्कि स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने का अवसर भी मिला। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री के लोकल फॉर वोकल अभियान को सशक्त बनाते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान कर रहा है। जय माँ आंबे समूह की अध्यक्ष सलीता गुप्ता ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित बिहान बाजार के माध्यम से हमारे समूह द्वारा निर्मित पूजन व घरेलू सामग्रियों की बिक्री से सभी समूह की सदस्य बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे बाजार नियमित रूप से आयोजित होते रहें यही हमारी अपेक्षा है। बिहान की एसवीईपी परियोजना के अंतर्गत कार्यरत उन्नति मंडल के उद्यमियों ने बताया कि इस आयोजन से हमारी आमदनी लगभग छह माह के बराबर रही है।

संक्षिप्त समाचार

दो युवकों को नुकीली वस्तु से मारकर चोट पहुंचाने वाला बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी की तेलीबांधा थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में विवाद कर दो युवकों के साथ गाली-गलौच कर नुकीली वस्तु से मारकर घायल करने वाले बदमाश युवक को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार देवार पारा सुभाष नगर तेलीबांधा निवासी भारत वर्मा ने थाना तेलीबांधा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 14.10.2025 को उसके भाई हर्ष सिंह का जन्मदिन मनाने जल विहार कलोनी के तरफ जा रहे थे कि रात करीबन 11:45 बजे उड़िया बस्ती जल विहार कालोनी के पास पहुंचे थे, उसी समय तिलक निवासी बीएसयूपी कालोनी मरीन ड्राईव अपने अन्य साथियों के साथ मिला जो प्रार्थी को देखकर बिना कारण उसे गाली गलौज करने लगा। गाली गलौज करने से मना करने पर तिलक व उसके साथी ने बड़ा होशियार बनता है कहकर पुन: गाली गलौज करते हुये प्रार्थी को हाथ मुक्का तथा किसी वस्तु से मारपीट कर चोट पहुंचाया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना तेलीबांधा में धारा 115(2), 296, 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार प्रार्थी विनीत पनिका निवासी बीएसयूपी कालोनी तेलीबांधा रायपुर ने थाना तेलीबांधा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह दिनांक 15.10.2025 को सुबह करीबन 7 बजे कॉलोनी में चण्डी मंदिर के पास खड़ा था उसी समय कालोनी का रहने वाला तिलक बाघ आया और पुरानी लड़ाई झगड़ा की बात को लेकर बहुत होशियार बनता है कहकर अश्लील गाली गलौज करने लगा गाली गलौज करने से मना किया तो अपने हाथ में रखे किसी नुकीली वस्तु से उसके पेट में वार किया जिससे उसके पेट में चोट लगा, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में धारा 115(2), 118(1), 296 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। दोनों की घटनाओं को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गंभीरता से लेते हुये आरोपियों की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना तेलीबांधा एवं एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की संयुक्त टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थियों से विस्तृत पूछताछ कर आरोपियों की पतासाजी करते हुये प्रकरण में आरोपी तिलक बाघ पिता राजू बाघ उम्र 18 वर्ष 7 माह निवासी बी.एस.यू.पी. कालोनी ब्लॉक नंबर 10 मकान नंबर 02 मरीन ड्राइव तेलीबांधा को गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध कार्यवाही किया गया। प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

शराब पीने के विवाद पर एक युवक ने दूसरे के सिर पर फोड़ी बॉटल

रायपुर। राजधानी रायपुर में शराब पीने को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने दूसरे युवक की सिर पर कांच की बोतल से हमला कर घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसा घटना 16 अक्टूबर की रात की बताई जा रही है। रामकुंड वंदना ऑटो के पीछे रहने वाला पीड़ित युवक साई मंदिर लाइब्रेरी चौक के पास बैठा था, तभी आरोपी शेखर निषाद उर्फ पोटली अपने एक साथी के साथ वहां पहुंचा और शराब पीने के लिए जगह खाली करने की बात कहकर विवाद शुरू कर दिया। पीड़ित ने युवक ने उनसे इस तरह की भाषा का विरोध किया तो आरोपी भड़क गया। और शेखर निषाद और उसके साथी ने पीड़ित को गालियां देना शुरू कर दिया। पीड़ित ने जब गाली देने से मना किया, तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और उसके साथ हाथापाई शुरू कर दी और शेखर ने वहीं पास में पड़ी कांच की बोतल उठाई और उसे फोड़कर सिर और दाहिने हाथ पर हमला कर दिया। घटना में उसे गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। इसके बाद वह किसी तरह वहां से भागकर अपने घर पहुंचा और अपने छोटे भाई विजय श्रीवास और परिचित किरण यादव को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया। घायल युवक ने अगले दिन थाने पहुंचकर पूरी घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई

रायपुर। उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ द्वारा पारित अंतरिम आदेश एवं छत्तीसगढ़ शासन, खनिज साधन विभाग के निर्देशों के परिपालन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए कठोर कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार खनिज विभाग की टीम द्वारा आज ग्राम केडियाडीह (तहसील महासमुंद) स्थित महानदी तट पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रेत के अवैध उत्खनन के उद्देश्य से निर्माणाधीन रैंप पाया गया, जिसे तत्काल खनिज अमले द्वारा ध्वस्त किया गया। खनिज अधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि रेत का अवैध उत्खनन, परिवहन या भंडारण खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत 2 से 5 वर्ष का दंडनीय अपराध है। इस प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर परिवाद दाखिल करने की कार्रवाई की जाएगी, जिसमें दो से पाँच वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

गोवर्धन पूजा के अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने किया गौपूजन

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास रायपुर में स्थित गौशाला में गोवर्धन पूजा के अवसर पर गौमाता की पूजा-अर्चना की और गौ माता को खिचड़ी खिलाकर गोसेवा की परंपरा निभाई। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति, गौवंश और पर्यावरण के प्रति आभार व्यक्त करने का पावन पर्व है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दी। पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरण के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने गौशाला में सेवा कर रहे गौसेवकों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। उन्होंने गौसेवा के लिए उनकी सराहना करते हुए सभी से गौवंश की रक्षा एवं संरक्षण के कार्यों में आगे आने का आग्रह किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गौसेवकों ने मुख्यमंत्री को बताया कि गौशाला में गौवंश की देखरेख की सभी व्यवस्था मौजूद है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गोवर्धन पूजा हमारे जीवन में प्रकृति, अन्न और पशुधन के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। गाय भारतीय संस्कृति की आधारशिला है, जो न केवल हमारे ग्रामीण जीवन से जुड़ी है, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था और आस्था दोनों का केंद्र भी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी में गोसेवा और प्रकृति पूजन की भावना गहराई से रची-बसी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाय, अन्न और धरती का सम्मान करना उस मातृशक्ति को प्रणाम करना है, जिससे हमारा जीवन जुड़ा है। जब हम इन्हें नमन करते हैं, तब हम अपनी संस्कृति की जड़ों, अपनी आत्मा की गहराइयों और समृद्धि के स्रोतों को स्पर्श करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में गाय गौमाता के रूप में पूजनीय है, और इसी भावना के साथ राज्य सरकार गोसेवा को ग्रामीण विकास की धुरी बनाने के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने की गोवर्धन पूजा, प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय, बगिया (जशपुर) में सपरिवार गोवर्धन पूजा कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की माता श्रीमती जसमनी देवी साय, धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय एवं परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गोवर्धन पूजा भगवान श्रीकृष्ण की उस प्रेरणादायी लीला की स्मृति है, जिसमें उन्होंने गोकुलवासियों को प्रलयकारी वर्षा और संकट से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा उंगली पर उठाकर सभी को शरण दी थी। यह पर्व हमें बताता है कि जब समाज एकजुट होकर विश्वास और सहयोग के साथ कार्य करता है, तब कोई भी संकट अजेय नहीं रहता। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि कृतज्ञता, सह-अस्तित्व और प्रकृति-पूजन का प्रतीक है। इस दिन गोवंश की पूजा की जाती है, जो भारतीय संस्कृति की आत्मा — गौ-संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण — को जीवंत रखती है।

सफलता की कहानी:नक्सल प्रभावित वनांचल में विकास की नई किरण.....

■ धनोरा की रतो बाई को विशेष परियोजना से मिला पक्का घर

रायपुर । संवाददाता

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव वर्ष में कोंडागांव जिले के केशकाल विकासखंड के ग्राम पंचायत धनोरा की रतो बाई के जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने दीपोत्सव के पूर्व नई रोशनी लाई है। सुदूर वनांचल की अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिला नक्सल हिंसा से पीड़ित रती बाई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चल रही इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत एक विशेष परियोजना के माध्यम से पक्का आवास प्राप्त हुआ है। रतो बाई को योजना के तहत 1.20 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया था। इस योजना की एक उल्लेखनीय विशेषता यह भी है आवास निर्माण के लिए उन्हें मनरेगा के तहत 90 दिवस का सुनिश्चित पारिश्रमिक रुपये 23490/- भी मिला। यह सहयोग रत्तो बाई के लिए एक महत्वपूर्ण संबल साबित हुआ। जीविकोपार्जन के लिए रतो बाई सब्जी बेचने का कार्य करती है। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के साथ ही रतो बाई को महतारी वंदन योजना, उज्ज्वला योजना, नल जल योजना सौभाग्य योजना, शौचालय जैसे मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने वाली योजनाओं का लाभ भी मिला है। यह विशेष परियोजना नक्सल हिंसा से प्रभावित वर्गों के कल्याण के लिए सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाती है। इसका उ?द्देश्य ऐसे परिवारों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान करना है। इस पक्के आवास की प्राप्ति ने उन्हें एक सुरक्षित ठिकाना दिया है और उनकी वर्षों पुरानी चिंता को समाप्त किया है। यह सफ्लता इस बात का प्रमाण है कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन किस प्रकार अंतिम व्यक्ति तक पहुँचकर उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। यह योजना न केवल लोगों को पक्के मकान उपलब्ध करा रही है। बल्कि उन्हें रोजगार, सुरक्षा और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार भी सुनिश्चित कर रही है।

चंगाई सभा में धर्मांतरण करा रहे तीन लोग गिरफ्तार, जुटी हुई थी 100 लोगों की भीड़

रायपुर। चंगाई सभा के आड़ में धर्मांतरण कराए जाने के मामले में 3 आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। अगर इस मामले में किसी और की संलिप्तता नजर आती है तो उसके खिलाफ भी अपराध दर्ज किया जाएगा। दरअसल मामला दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हारता का है, जहां 2 दिन पहले हिंदू संगठन को सूचना मिली कि मोहल्ले में ईसाई समुदाय द्वारा चंगाई सभा किया जा रहा है और इसमें बड़ी संख्या में लोगों को बुलवाकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। जिसके बाद हिन्दू संगठन के सदस्यों ने चंगाई सभा में पहुंचकर हंगामा कर दिया। पुलिस भी मौके पर पहुंची

मंत्री कश्यप ने बघेल पर कसा तंज

तारीफ के लिए शुक्रिया,लेकिन क्या ये कांग्रेस का अधिकृत बयान है.....

रायपुर । संवाददाता

छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार 210 नक्सलियों ने एक साथ सरेंडर किया, प्रदेश और देश में सुर्खियां बटोरी है। बड़ी संख्या में नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने संतोष जताते हुए कहा, देश की यह लड़ाई जल्द खात्मे की ओर बढ़ेगी। हम सब मिलकर जीतेंगे। सरकार और सुरक्षा बलों को बधाई। वहीं बघेल के इस बयान पर मंत्री केदार कश्यप ने कसा है। उन्होंने तारीफ के लिए भूपेश बघेल का शुक्रियाअदा किया और कहा कि बस यह स्पष्ट कर देते कि आपकी यह निजी राय है या कांग्रेस का यह अधिकृत बयान है? मंत्री केदार कश्यप ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि तारीफके लिए शुक्रिया भूपेश बघेल। बस यह स्पष्ट कर देते कि आपकी यह निजी राय है या कांग्रेस का यह अधिकृत बयान है? आपकी पार्टी के प्रवक्ता कल ही इसे एक 'इवेंट' मात्र कह रहे थे, फिर आपकी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष असली-नकली नक्सली का प्रश्न पैदा कर हमेशा की तरह इस लड़ाई को कमजोर करने में अपनी भूमिका निभा रहे थे। वस्तुत: भारत की ऐसी सभी समस्याओं की जड़ में कांग्रेस की यह कुनीति रही है कि चोर से कहो चोरी कर, गृहस्वामी से कहो जागते रह। यह खतरनाक स्थिति है। जिस झीरम का आप जिक्र कर रहे हैं, उसी दरभा घाटी मामले में राहुल गांधी बिलासपुर में नक्सलियों को क्लीन चिट देकर गए थे, आपकी अपनी ही पार्टी के नेता, झीरम हमले में बलिदान हुए महेंद्र कर्मा का भी अगर आप सबने साथ दे दिया होता, उनकी खिल्ली नहीं उड़ाये होते, उनके 'सलवा जुडूम' का विरोध नहीं किया होता, तो शायद यह लड़ाई इतनी लंबी नहीं होती और न ही सुरक्षा बलों का, बस्तर में बहन-भाइयों का, राजनीतिक कार्यकर्ताओं का इतना बलिदान होता।

रायपुर में धान खरीदी के नाम पर 15 लाख रूपए की ठगी..

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर से लगे धरसींवा थाना क्षेत्र में धान खरीदी के नाम पर 15 लाख रूपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम अकोली-2 (मांढर) निवासी किसान कमल नारायण वर्मा ने भिलाई निवासी तक्ष कुमार टंडन पर करीब 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। कमल नारायण वर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपी तक्ष कुमार टंडन, जो भिलाई के तालपुरी क्षेत्र का रहने वाला है, 18 और 19 सितंबर 2025 को उसके गांव अकोली-2 आया था। उस दौरान उसने खुद को एक बड़ी एजेंसी से जुड़ा हुआ बताते हुए धान खरीदी का सौदा किया। तक्ष टंडन ने किसान से कुल 69,790 किलो धान खरीदा, जिसकी कीमत 15,33,082 तय हुई। सौदा तय होने के बाद आरोपी ने राशि के भुगतान के लिए एचडीएफसी बैंक का चेक दिया। किसान ने भरोसा करते हुए चेक अपने खाते में जिला सहकारी बैंक, धरसींवा में जमा किया। लेकिन कुछ दिनों बाद बैंक से जानकारी मिली कि आरोपी के खाते में पर्याप्त रकम नहीं है और चेक बाउंस हो गया। जब किसान ने आरोपी से संपर्क करने की कोशिश की तो उसका मोबाइल फ ोन लगातार स्विच ऑफ मिला। इससे कमल वर्मा को ठगी का अंदेशा हुआ। उन्होंने आरोपी के बारे में पड़ताल की तो पता चला कि तक्ष टंडन ने आसपास के कई अन्य किसानों जिनमें मिनाल कश्यप, शुभाष वर्मा और मूलचंद साहू से भी इसी तरह धान खरीदा और उन्हें भी भुगतान नहीं किया। इन किसानों का भी कहना है कि आरोपी ने पहले भरोसा जीतने के लिए छोटी-छोटी रकम समय पर दी, फिर बड़ी मात्रा में धान खरीदने के बाद धोखाधड़ी की। ग्रामीणों का आरोप है कि तक्ष टंडन ने योजनाबद्ध तरीके से पूरे इलाके में किसानों को ठगने की साजिश रची थी। बता दें कि प्रारंभिक जांच में यह मामला भिलाई नगर (जिला दुर्ग) क्षेत्र में अपराध क्रमांक 00/2025, धारा 318(4) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। चूंकि धोखाधड़ी की वास्तविक घटना धरसींवा क्षेत्र में हुई थी, इसलिए केस को असल नंबरी कायमी के लिए धरसींवा थाने में स्थानांतरित किया गया है। पुलिस अब दस्तावेजों की जांच करते हुए आगे की विवेचना कर रही है।

मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा को मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए चार प्रमुख पदाधिकारियों को कैबिनेट और राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) से जारी इस आदेश के अनुसार, यह दर्जा केवल 'शिष्टाचार हेतु' दिया गया है और इससे किसी प्रकार की वरिष्ठता या प्रोटोकॉल स्थिति नहीं बनती। जारी आदेश के अनुसार: राज्य शासन ने क्रमांक क्लस्ध्-2202/2/2024-व्रष्ठ-1 के तहत निम्नलिखित नियुक्तियों को स्वीकृति दी है— रूपनारायण सिन्हा, अध्यक्ष, योग आयोग, को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। विश्वेश्वर पटेल, अध्यक्ष, गौसेवा आयोग, को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। पंकज कुमार झा, माननीय मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार, को भी कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। विश्वविजय सिंह तोमर, अध्यक्ष, युवा आयोग, को राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इन पदाधिकारियों को दिया गया दर्जा केवल औपचारिक (शिष्टाचार हेतु) है। उन्हें मिलने वाली सुविधाओं की जिम्मेदारी संबंधित प्रशासकीय विभाग या आयोग की होगी। आदेश में महत्वपूर्ण बिंदु राज्य शासन ने यह भी स्पष्ट किया है ।

मनोविकास केंद्र के छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय पटल पर जिले का नाम किया रोशन

■ गोवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट में योगा प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का किया प्रतिनिधित्व

रायुपर/ संवाददाता

छततीसगढ के मनोविकास केन्द्र के 5 बच्चों ने 9 से 12 अक्टूबर 2025 तक गोवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 में योग प्रदर्शन किया। मनोविकास केन्द्र बलौदाबाजार के प्रतिभावान छात्रों ने गोवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर प्रदेश और जिले का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मनोविकास केन्द्र के बच्चों की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि प्रदेश का नाम इसी तरह रौशन करते हुए आगे बढ़ें। अंतर्राष्ट्रीय फेस्ट में हिस्सा लेकर वापस आने पर शुक्रवार को कलेक्टर से छात्रों ने मुलाक़ात की और अपने अनुभव साझा किये मनोविकास केन्द्र के नोडल अधिकारी आशा शुक्ला ने बताया कि केंद्र के छात्र कुलदीप निर्मलकर, तुषार सेन पुष्कर कुमार साहू, लोकेश कुमार वर्मा एवं किशन यादव का चयन अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 में भाग लेने के लिए हुआ था। फेस्ट में छात्रों के द्वारा लगभग 12 मिनट का योग प्रदर्शन प्रस्तुत कर दिव्यांगजनों की क्षमताओं और समावेशन की भावना को उजागर किया। इस फेस्ट में भाग लेकर छात्रों ने नि:शक्तजनों के लिए हो रहे नवाचार के कार्यो को जाना। अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्ट 2025 को दिव्यांगजनों की रचनात्मकता, प्रतिभा और सशक्तिकरण के एक जीवंत उत्सव के रूप में देखा जा रहा है। यह आयोजन भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, गोवा सरकार के राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय, तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय एवं संयुक्त राष्ट्र भारत के सहयोग से किया जा रहा है। पर्पल फेस्ट का उद्देश्य दिव्यांगजनों के समावेशन, पहुंच और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यह महोत्सव समाज में जागरूकता फैलाने, उनकी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने और एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करता है जहां प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा और समान अवसरों के साथ जीवन जीने का अधिकार हो।

ज्योत्सव के मंच से उभरेगा डिजिटल और विकसित छत्तीसगढ़

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लिया तैयारियों का जायजा

■ एक नवंबर को पीएम मोदी करेंगे राज्योत्सव का शुभारंभ

■ नई सोच, नया छत्तीसगढ़' थीम पर होगा भव्य आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष राज्य सरकार भव्य रजत राज्योत्सव मनाने जा रही है। राजधानी नया रायपुर में 1 नवंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पांच दिवसीय राज्योत्सव का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम को ऐतिहासिक और आधुनिक स्वरूप देने के लिए तैयारियां तेज़ी से चल रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान देश के पहले आदिवासी डिजिटल संग्रहालय, नया विधानसभा भवन और ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की 'शांति शिखर' अकादमी का भी उद्घाटन करेंगे। वे सत्य सांई हॉस्पिटल में हृदय उपचार से लाभान्वित बच्चों से भी मुलाकात करेंगे। संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने राज्योत्सव की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राज्योत्सव स्थल पर राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी। इसके अलावा फूड जोन और शिल्पग्राम के साथ ही यहां आने वाले लोगों के मनोरंजन के लिए विभिन्न स्टॉल लगाये जाएंगे। मुख्य मंच पर आकर्षक सांस्कृति कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी होगी। मंत्री अग्रवाल ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में राज्योत्सव और संग्रहालय का अवलोकन कर राज्य की गौरवगाथा से जुड़ें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर मनाया जा रहा राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की गौरवमयी विकास यात्रा का उत्सव है। संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने शहीद वीर नारायण सिंह की स्मृति में बनाए जा रहे नवीन आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय और पुरखौती मुक्तांगन का निरीक्षण कर पुरखौती मुक्तांगन में नवनिर्मित रामवनगमन पथ, सीताबेंगरा एवं रामगढ़ की पहाड़ी की प्रतिकृति का अवलोकन किया और यहां किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर आदिम जाति विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सरांश मित्तर, संस्कृति विभाग के संचालक श्री विवेक आचार्य सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। नवा रायपुर में विकसित देश का पहला आधुनिक आदिवासी डिजिटल संग्रहालय छत्तीसगढ़ के जननायकों, वीरता और लोक संस्कृति की गाथा को नवीन तकनीक और वर्चुअल रियलिटी माध्यम से प्रस्तुत करेगा।

संपादकीय

नकली दवाओं और खतरनाक सौंदर्य प्रसाधनों पर अब सरकार कसेगी नकेल

हाल ही में कुछ राज्यों में खांसी की दवा पीने से कई बच्चों की मौत की खबरें आईं और इससे हर तरफ चिंता पैदा हुई।किसी भी रोग की दवा से लेकर रसायनों के मिश्रण से तैयार हर वह पदार्थ हमेशा ही संबंधित एजंसियों की निगरानी के दायरे में होना चाहिए, जो इंसानी सेहत के लिए जोखिम का कारक बन सकते हैं। हालांकि सरकार के मातहत इसके लिए बाकायदा एक तंत्र है, लेकिन इसके बावजूद बाजार में ऐसी दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री खुलेआम होती रहती है, जिनके उपयोग के बाद स्वास्थ्य कई तरह के जोखिम के दायरे में आ जाता है।ऐसा नहीं है कि इस तरह के खतरनाक रसायनों के इस्तेमाल पर रोक के लिए कानून नहीं हैं, लेकिन या तो वे अपर्याप्त हैं या फिर उन्हें सख्ती से लागू करने को लेकर सरकारी एजंसियों के भीतर कोई इच्छाशक्ति नहीं है। यह बेवजह नहीं है कि ऐसी दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों के इस्तेमाल से कई बार नाहक ही लोगों की मौत होने या स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचने की खबरें आती रहती हैं।यों तो सरकार को इससे संबंधित नियम-कायदों को पहले ही सख्ती से लागू करना चाहिए था, लेकिन अब नए सिरे से नकली या जोखिम का वाहक बनने वाली दवाओं और नुकसानदेह सौंदर्य प्रसाधनों पर नकेल कसने की तैयारी हो रही है।दरअसल, हाल ही में कुछ राज्यों में खांसी की दवा पीने से कई बच्चों की मौत की खबरें आईं और इससे हर तरफ चिंता पैदा हुई। अब केंद्र सरकार दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी के लिए कानून लाने जा रही है। इस संबंध में 'औषधि, चिकित्सा उपकरण और सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 2025' का मसविदा संसद के आगामी सत्र में पेश किया जा सकता है। देश भर में आए दिन नकली दवाओं की बिक्री और उससे पैदा खतरों को लेकर सवाल उठते रहते हैं। तब थोड़ी सख्ती और कार्रवाई होती दिखती है। मगर आमतौर पर कार्रवाई के दायरे में निचले स्तर के कुछ कर्मचारी या अधिकारी ही आते हैं। मामला शांत होने के बाद फिर दवाओं के निर्माण को लेकर गुणवत्ता और तय कसौटियों में व्यापक लापरवाही बदस्तूर जारी रहती है।इसी के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ-साथ विश्व भर के कई बड़े स्वास्थ्य नियामकों की ओर से भारतीय दवा निर्माताओं की गुणवत्ता संबंधी गंभीर खामियों को लेकर बार-बार शिकायतें और चिंता दर्ज कराई गई।

कल्पना कीजिए-एक शिक्षक जो प्रशासनिक काम भी करता है, मिड-डे मील की निगरानी भी करता है और साथ में सभी कक्षाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभाता है। क्या वह शिक्षक शिक्षक रह जाता है या व्यवस्था का बोझ उठाने वाला मज़दूर बन जाता है? भारत में आज भी कई सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी विषय पढ़ रहे हैं।

एक लाख एकल शिक्षक स्कूलों की त्रासदी से त्रस्त शिक्षातंत्र

(ललित गर्ग)

शिक्षा मंत्रालय के साल 2024-25 के आधिकारिक डेटा के मुताबिक देश के कुल 1,04,125 स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं एवं सभी विषयों को पढ़ा रहे हैं। यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाता ही नहीं रहा है बल्कि चिन्ताजनक स्थिति को बयां कर रहा है। ये आंकड़े हमारे शैक्षणिक विकास पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं। शिक्षा किसी राष्ट्र की आत्मा होती है। स्वामी विवेकानंद का यह वाक्य आज भारत की शिक्षा व्यवस्था पर एक कसक बनकर उभरता है। जब शिक्षा की आत्मा घायल होती है तो राष्ट्र का शरीर कभी स्वस्थ नहीं रह सकता।

शिक्षा मंत्रालय के ये हालिया आंकड़े बताते हैं कि एकल शिक्षक स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाना एक भ्रष्टाचार ही है। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? एकल शिक्षक स्कूलों का परिदृश्य भारत के विकास की पौल खोलने वाला है। भले ही एकल शिक्षक स्कूलों में पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई हो, फिर इतनी बड़ी संख्या में ऐसे स्कूलों का होना हमारी शिक्षा व्यवस्था की बड़ी नाकामी को ही उजागर कर रहा है। यह स्थिति किसी एक आंकड़े की नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की गहरी त्रासदी की तस्वीर है।

कल्पना कीजिए-एक शिक्षक जो प्रशासनिक काम भी करता है, मिड-डे मील की निगरानी भी करता है और साथ में सभी कक्षाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभाता है। क्या वह शिक्षक शिक्षक रह जाता है या व्यवस्था का बोझ उठाने वाला मज़दूर बन जाता है? इन बच्चों की शिक्षा कैसी होगी, जिनके लिए ज्ञान का

एकमात्र द्वार ही थकान, उपेक्षा और तंगहाली से भरा है? यह संकट केवल ग्रामीण भारत तक सीमित नहीं है। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी सैकड़ों स्कूल ऐसे हैं जहाँ विषय विशेषज्ञों की कमी, प्रयोगशालाओं की अनुपस्थिति और शिक्षण संसाधनों का अभाव है। नई शिक्षा नीति 2020 समग्र शिक्षा की बात करती है, लेकिन जब आधारभूत ढाँचा ही अपूर्ण हो तो नीतियाँ केवल दस्तावेज़ बनकर रह जाती हैं। हम 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना कर रहे हैं, पर क्या एकल शिक्षक स्कूलों की यह स्थिति उस दिशा में कोई सार्थक कदम का संकेत है?

यह विडंबना है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, पर उसके बचपन की शिक्षा का यह हाल है। शिक्षा पर सरकारी व्यय जीडीपी का केवल 2.9 प्रतिशत है, जबकि विकसित देशों में यह 5 से 6 प्रतिशत तक है। जब शिक्षा ही निवेश नहीं बनेगी, तो विकास का आधार कहाँ से आएगा? समस्या केवल शिक्षक संख्या की नहीं, बल्कि शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण और संसाधनों की भी है। राज्यों में नियुक्ति प्रक्रियाएँ वर्षों तक लटकी रहती हैं, स्थानांतरण नीति अव्यवस्थित है, और जो शिक्षक हैं भी, उन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति, डिजिटल शिक्षण, नवाचार और नैतिक मूल्य आधारित शिक्षण के प्रशिक्षण से वंचित रखा गया है। यह स्थिति उस समय और अधिक विडंबनापूर्ण लगती है जब हम हर मंच पर 'नया भारत', 'विकसित भारत' और 'विश्वगुरु भारत' के नारे लगाते हैं। शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखने की आवश्यकता है। रक्षा और स्वास्थ्य की तरह शिक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित हो, दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों का समुचित समायोजन किया जाए, तकनीक के माध्यम से डिजिटल शिक्षा का विस्तार हो और शिक्षकों को केवल वेतनभोगी कर्मचारी नहीं बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में सम्मान मिले। महात्मा गांधी ने कहा था, 'यदि हमें भारत को पुनः महान बनाना है, तो शिक्षा को पुनः मानवीय बनाना होगा।' आज शिक्षा केवल परीक्षा और नौकरी तक सीमित हो गई है, जबकि उसका उद्देश्य चरित्र निर्माण और विवेक जागरण होना चाहिए। यदि 34 लाख बच्चे एकल शिक्षक के भरोसे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। भारत तभी विकसित होगा जब हर बच्चा पढ़ेगा-सिर्फ स्कूल में नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में शिक्षित होगा। अन्यथा, एकल शिक्षक की यह पीड़ा आने वाले भारत की मौन त्रासदी बन जाएगी। शिक्षक दीपक की तरह होते हैं, वे स्वयं जलकर समाज को प्रकाश देते हैं। पर जब दीपक ही अकेला रह जाए, तो अंधकार स्वाभाविक है। अब समय है कि हम इस अंधकार को दूर करने का संकल्प लें, क्योंकि शिक्षा ही राष्ट्र का भविष्य है और शिक्षक उस भविष्य के निर्माता हैं।

सोचने वाली बात है कि एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेलकूल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों एवं योग-व्यायाम जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली इन गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं और ऐसी बीमार बुनियाद पर खड़ा राष्ट्र कैसे स्वस्थ, सक्षम एवं उन्नत होगा?

शिक्षा के प्रति यह उपेक्षा हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन-देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है।

कैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सड़कों पर बेरोजगारों की लाइन लगी हैं और स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली हैं। बताया जाता है कि माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके बावजूद कि हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। कहने को तो हमारे गाल बजाते नेता भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश कहते इतराते हैं, लेकिन इन नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि कुंठित होती युवा पीढ़ी के लिये उन्होंने क्या खास किया है? नौकरियों की भर्ती निकलती नहीं है। तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का होना देश के नीति-निर्माताओं एवं नायकों के लिये शर्म का विषय होना चाहिए।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इतिहास से टकराव के मूड़ में हैं चिदम्बरम या फिर सत्य की खोज में 'बोल' कर कांग्रेस को असहज कर रहे हैं?

(नीरज कुमार दुबे)

यह पहला अवसर नहीं जब चिदंबरम ने इस तरह की राजनीतिक असुविधा पैदा की हो। कुछ सप्ताह पहले उन्होंने खुलकर कहा था कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद भारत ने 'अंतरराष्ट्रीय दबाव' में आकर पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई नहीं की थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने एक बार फिर ऐसा वक्तव्य दे दिया है जिसने पार्टी नेतृत्व की पेशानी पर बल डाल दिए हैं। पहले 26/11 के मुंबई हमलों पर उनका खुलासा और अब ऑपरेशन ब्लू स्टार को 'गलत रास्ता' बताने वाला बयान, दोनों ने कांग्रेस को असहज स्थिति में ला खड़ा किया है। सवाल यह है कि चिदंबरम आखिर लगातार ऐसे संवेदनशील विषयों पर क्यों बोल रहे हैं जो पार्टी की आधिकारिक लाइन से टकराते हैं? क्या यह बौद्धिक ईमानदारी का प्रदर्शन है या किसी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा? चिदंबरम का कहना है कि 1984 में स्वर्ण मंदिर पर सेना की कार्रवाई 'गलत तरीका' थी और 'इंदिरा गांधी ने उसकी कीमत अपने जीवन से चुकाई।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह केवल प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि सेना, पुलिस, खुफिया तंत्र और सिविल प्रशासन– सबकी सामूहिक विफलता थी। सच कहें तो यह बयान कांग्रेस के उस ऐतिहासिक नैरेटिव को चुनौती देता है जिसके सहारे पार्टी तीन दशक से 'राष्ट्रीय सुरक्षा की अपरिहार्यता' का तर्क देती आई है। इंदिरा गांधी के समय की राजनीतिक जटिलताओं और पंजाब के चरमपंथी दौर की पृष्ठभूमि में कांग्रेस ने हमेशा यह रेखांकित किया कि ब्लू स्टार 'राष्ट्र की रक्षा'के लिए आवश्यक कदम था। ऐसे में चिदंबरम का 'गलत रास्ता' कहना, पार्टी की नैतिक भूमि को हिला देता है।यह पहला अवसर नहीं जब चिदंबरम ने इस तरह की राजनीतिक असुविधा पैदा की हो। कुछ सप्ताह पहले उन्होंने खुलकर कहा था कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद भारत ने 'अंतरराष्ट्रीय दबाव' में आकर पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई नहीं की थी। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीज़ा राइस की उस सलाह का भी ज़िक्र किया जिसमें भारत को संयम बरतने को कहा गया था। इस बयान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अवसर दिया कि वह कांग्रेस पर 'विदेशी दबाव में झुकने' का आरोप दोहराएँ। नतीजा यह हुआ कि एक बार फिर कांग्रेस को अपने ही वरिष्ठ नेता के शब्दों का स्पष्टीकरण देने की नौबत आई। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो दोनों बयान कांग्रेस के लिए दोहरा खतरा बनाते हैं। पहला, इससे विपक्ष को यह कहने का मौका मिलता है कि कांग्रेस के भीतर भी उसके अतीत और सुरक्षा नीति को लेकर असहमति है। दूसरा, इससे उन समुदायों और मतदाताओं में भ्रम पैदा होता है जो पहले से ही इन घटनाओं के कारण भावनात्मक रूप से संवेदनशील हैं। पंजाब में सिख भावनाएँ और राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्रीय सुरक्षा' की छवि, दोनों ही कांग्रेस के लिए नाजुक क्षेत्र हैं। ऐसे में चिदंबरम की 'आत्ममंथनकारी' टिप्पणियाँ पार्टी के लिए आत्मघाती भी साबित हो सकती हैं। पर सवाल यह भी है कि क्या किसी लोकतांत्रिक दल में वरिष्ठ नेता को इतिहास और नीति पर स्वतंत्र राय रखने का अधिकार नहीं होना चाहिए? निस्संदेह होना चाहिए, परंतु राजनीति में वक्त और सन्दर्भ का भी मूल्य होता है। जब पार्टी पहले से चुनावी दबाव में हो, जब उसके नेतृत्व पर एकरूपता बनाए रखने की चुनौती हो, तब इस तरह के बयान आत्मनिरीक्षण से अधिक आत्मघाती बन जाते हैं। चिदंबरम एक अनुभवी राजनेता हैं, विद्वान भी हैं। उनके विचार निश्चय ही अकादमिक विमर्श के स्तर पर मूल्यवान हो सकते हैं, पर जब वही विचार सार्वजनिक मंच से राजनीतिक आरोपों के बीच आते हैं, तो वह कांग्रेस के लिए बोझ बन जाते हैं। यही कारण है कि पार्टी नेतृत्व ने संकेत दिया है कि 'यह आदत नहीं बननी चाहिए।' दिखता है। कांग्रेस के लिए इस विवाद से सीख यही है कि आत्ममंथन का साहस रखे, लेकिन आत्मघात का नहीं। इतिहास पर ईमानदार चर्चा तभी फलदायी होती है जब वह संगठनात्मक रूप से तय सीमाओं में की जाए, न कि व्यक्तिगत बयानों से। चिदंबरम ने जो कहा, वह सैद्धांतिक रूप से गलत नहीं भी हो सकता– पर राजनीति में 'सत्य' केवल तथ्य नहीं, प्रभाव भी होता है। और इस बार प्रभाव स्पष्ट है कि कांग्रेस असहज, विपक्ष उत्साहित और इतिहास फिर एक बार राजनीतिक बहस के केंद्र में है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साहित्य के नोबल विजेता लाजलो क्रासनाहोरकाई

प्रलयंकारी भय के बीच कला-शक्ति की पुष्टि..!

(डॉ. विजय शर्मा)

अक्तूबर आते ही साहित्य में अटकलों का बाजार गर्म हो जाता है। इस साल यही हुआ। विदेशी अटकलबाजों की मानें तो उनके कल्पना में दूर-दूर तक कोई हिन्दी लेखक न था। मगर अटकल का ठेका केवल उनका नहीं है। हिन्दी वाले भी अटकल लगाते लगाते हुए न मालूम किस-किस को नोबेल देना चाहते हैं।

अटकल मैंने भी लगाई, मेरी हार्दिक इच्छा थी, मुराकामी या रुश्दी को मिले, वे डिजर्व करते हैं। एक मजेदार बात और हुई, एक राजनेता की भांति किसी लेखक ने छाती ठोंक कर नहीं कहा, यह मुझे मिलना चाहिए, यदि मुझे नहीं मिला तो यह मेरे देश का अपमान होगा। लेखक होता, तो आगे जोड़ता, मेरी भाषा का अपमान होगा। हां, हिन्दी वालों को लग रहा है कि नोबेल न दिए जाने से हिन्दी भाषा का अपमान हो रहा है।नोबेल समिति ने 9 अक्टूबर 2025 की शाम एक हंगेरियन रचनाकार लाजलो क्रासनाहोरकाई को यह सम्मान दिया।

5 जनवरी 1954 को हंगरी एवं रोमानिया की सीमा पर स्थित गियुला में लाजलो का जन्म हुआ। समिति ने घोषणा में कहा, 'उनके प्रभावशाली एवं दूरदर्शी साहित्यिक कार्यों केलिए दिया गया है, जो प्रलयंकारी भय के बीच कला-शक्ति की पुष्टि करता है।' घोषणा के पश्चात जब रस्मी टेलिफोनिक वार्ता में जेनी राइडेन ने उनसे पूछा, कैसा लग रहा है, पुरस्कार पाकर? लाजलो ने सैमुअल बेकेट को कोट करते हुए कहा, 'आपदा' से बढ़कर है। वे बहुत प्रसन्न एवं गर्वित हैं। गर्वित हैं, क्योंकि अब वे महान लेखकों/ कवियों की पंक्ति में आ गए हैं। पुरस्कार उनके लिए एक सरप्राइज की तरह आया है। उनकी भाषा हंगेरियन एक नई भाषा है, मात्र 200 साल पुरानी। अत- वे इसमें भरपूर प्रयोग करते हैं। अपनी भाषा बदलने का प्रयास कर रहे हैं। जबकि हिन्दी में भाषा को तोड़ने का प्रयास करने वाले की खूब हुज्जत होती है। वे खूब लम्बे-लम्बे वाक्य लिखते हैं। अभी मैंने उनकी नवीनतम किताब 'चेजिंग होमर' (2021) समाप्त की है। किताब बहुत छोटी (70 पन्ने) है, कई पन्ने चित्रों (जर्मन कलाकार मैक्स न्युमान) को दिए गए हैं और कई पन्ने सादे छोड़े गए हैं। मगर 19 छोटे-छोटे अध्यायों में बंटी यह किताब उनके लेखन का नमूना है, क्योंकि पूरे-पूरे अध्याय को एक वाक्य में अभिव्यक्त किया गया है। इसीलिए जब पेज नंबर 25 पर तीन शब्दों का एक वाक्य, 'बट देयर'ज मोर.' आया तो आश्चर्य हुआ। ये लो! किताब का अंतिम अध्याय भी मात्र छ- शब्दों का ('नो, आई वाज नेवेर गिविंग अप') है और अंत में पूर्ण विराम भी है। किताब एक अंतहीन यात्रा है, अंतिम वाक्य आशा का संचार करता है। किताब में क्यूआर कोड्स की सहायता से हंगेरियन जाज संगीतज्ञ सिल्वेस्टर मिक्लोस को सुना जा सकता है, सुना, झन्नाटेदार संगीत। यह किताब कला, संगीत एवं साहित्य की जुगलबंदी है। मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है, मैंने इस लेखक/कवि को नहीं पढ़ा है, हालांकि फिल्म के माध्यम से मेरा उनसे परिचय हुआ और कुछ किताबें जुटा ली थीं। 'विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया' लिखते समय सिने-निर्देशक बेला टार को जाना। बेला टार ने प्रयोगात्मक फिल्में बनाई हैं, वे धीमी गति की फिल्म बनाने हेतु जाने जाते हैं। लाजलो ने छ- फिल्मों का स्क्रीनप्ले लिखा है, जिस पर इस निर्देशक ने फिल्म बनाई हैं। एक तो बहुत लंबी करीब साढ़े सात घंटे की है। मगर लाजलो स्वयं को फिल्मी दुनिया का आदमी नहीं मानते हैं। लाजलो ने ऑपेरा भी तैयार किया है। क्लासिकल, खासकर काफ्का के प्रशंसक ने आज के अंधकारपूर्ण समय के विषय में लिखा है। उनके अनुसार कड़ुवाहट उनकी गहन प्रेरणा है, अप्रसन्नता एवं शोक के तहत वे लिखते हैं। वे आज की दुनिया की स्थिति से बहुत उदास हैं, इस गहन कड़वाहट को अगली पीढ़ी हेतु प्रेरणा मानते हैं। लिखना उनके लिए बहुत निजी मामला है, वे इसके बारे में बात नहीं करते हैं। प्रकाशक को पाण्डुलिपि पकड़ा कर पहले से बेहतर लिखने का प्रयास करते हुए अगले लेखन की ओर बढ़ जाते हैं। फंतासी उनके लिए महत्वपूर्ण है। अपने पाठकों को धन्यवाद देते हुए, वे किताबें पढ़ने को पृथ्वी पर इस कठिन समय में बचे रहने की शक्ति देने वाला कहते हैं। लाजलो क्रासनाहोरकाई हंगरी के नोबेल पाने वाले दूसरे साहित्यकार हैं। 2002 में इमरे कर्टीज को यह मिला था। वे द्वितीय विश्वयुद्ध की उपज थे। एक किशोर के रूप में उन्हें यातना शिविर में लेजाया गया और कंकाल के रूप में वे लौटे। बाहर की दुनिया उनके लिए अजनबी थी। 1956 के हंगेरियन आंदोलन के कुछ पहले लाजलो का जन्म हुआ। लेकिन हंगरी अत्याचार से मुक्त न हुआ भले ही स्टालिन की क्रूरता से छुटकारा मिला। हताशा, सर्वनाश, नास्तिवाद, अराजकता आदि इनके मुख्य कथानक हैं। लाजलो के पहले उपन्यास 'सैटनटैंगो' में यह देखा जा सकता है। इसी पर बेला टार ने फिल्म बनाई है। परदे पर उजाड़ स्थान में कागज उड़ते देखना बर्बादी को देखना है। बस यहां कुछ होने का इंतजार है। तकनीक विशेषताओं से लैस फिल्म में क्रूरता है, तनाव है। इस फिल्म को देखना एक चुनौती है। नोबेल पुरस्कार समिति के कुछ सदस्य बहुभाषी हैं, अत- हंगरी जैसी भाषा बिना अनुवाद के उन तक नहीं पहुंच सकती है। लाजलो के कार्य का कई भाषा में अनुवाद हुआ है। वे अपने अनुवादकों के साथ मिल कर काम करते हैं। उनके कई कार्य का इंग्लिश अनुवाद जॉर्ज सियरटिस ने किया है। जॉर्ज के अनुसार क्रासनाहोरकाई का प्रमुख सार है, कुचक्र, अपराध, बेवफाई, भाग निकलने की आशा और सबसे ऊपर विश्वास एवं निरंतर विश्वासघात। उनके अनुसार 'सैटनटैंगो' के केंद्र में शराब पीकर किया गया शैतान का नृत्य है, कभी टैंगो के संदर्भ में, कभी चारडास (हंगेरियन नृत्य) के रूप में है। यह स्थानीय सराय में चल रहा है, जहां पीकर सब धुत हैं।... कॉमिक तथा ट्रैजिक के बीच खोई हुई, उनकी दुनिया रुखड़ी है। यहां मृत्यु का नृत्य है।' पूर्व की संस्कृति से प्रभावित लाज्लो बुद्ध एवं लाओत्से को याद करते हैं, वे कई बार जापान गए हैं, भारत आना चाहते थे, सत्ता से इसकी अनुमति नहीं मिली। उनका 'द मेलनकली ऑफ़ रेजिस्टेंस', 'वारएंड वार', 'एनिमलइनसाइड', 'डिस्ट्रक्शन एंड सोरो बिनीथ द हेवन', 'द लास्ट वुल्फ़ एंड हर्मन', 'द वर्ल्ड गोज ऑन', 'स्पेडवर्क फ़ॉर ए पैलस- एंटरिंग द मैडनेस ऑफ अदर्स', 'ए माउंटेन टू द नॉर्थ, ए लेक टू द साउथ, पाथ्स टू द वेस्ट, ए रिवर टू दि ईस्ट', 'हर्स्ट 07769' आदि कार्य इंग्लिश में उपलब्ध है। 'मेरे काम को अब केवल ईश्वर समझता है' कहने वाले नोबेल पुरस्कृत लाजलो क्रासनाहोरकाई के जटिल काम को ईश्वर की भांति समझने की कोशिश कर रही हूं। यह लेखक के निजी विचार हैं।

राठौर, साहू परिवार द्वारा दशकों से परंपरा का किया जा रहा निर्वहन

पोरथा गांव के खेदु बैगा चौक में दीपावली पर हुआ गौरा-गौरी पूजा उत्सव

सक्ती। शक्ति शहर से लगे ग्राम पोरथा के खेदू बैगा चौक में वर्षों से दिवाली के दिन आयोजन किया जाता है, गौरा गौरी पूजा उत्सव का आयोजन,गांव के प्रतिष्ठित राठौर प्रिंटिंग प्रेस के संचालक पोरथा निवासी हेतराम राठौर द्वारा ग्राम बैगा समुदाय और खेदू बैगा चौक वासियों के सहयोग से सालों से दिवाली के दिन आयोजन किया जाता रहा है, गौरा गौरी पूजा,विगत कई वर्षों से बरत राम साहू परिवार इस उत्सव प्रथा को ग्राम बैगा परिवार तथा मोहल्ला वासियों के सहयोग से निभाते चल रहे है, नरक चतुर्दश के दिन होता है फूल कुटनी रस्म- जिसमें 21 प्रकार के फूलों से होती है पूजा की शुरुआत, अगली दिवाली की सुबह चूल माटी के लिए बाजे- गाजे के साथ जाते है मोहल्ले में वासी, दिवाली की रात निकाली जाती है शिव भगवान की बारात, एक गांव के एक

मोहल्ले से दूसरे मुहल्ले तक जाती है बरात,जहां गौरी माता के साथ शिव गौरा की मूर्तियों का होता है विवाह, गोवर्धन पूजा के दिन शिव गौरा , गौरी रानी,शीत बाबा की मूर्तियों का होता है सार्वजनिक पूजा जिसके बाद गोवर्धन पूजा के दिन दोपहर को होता है मूर्तियों का विसर्जन वर्षों से दिवाली के दिन चली आ रही इस प्रथा को निभाते आ रहे है राठौर प्रिंटिंग प्रेस संचालक पोरथा निवासी हेतराम राठौर और बरत राम साहू अब उनके पुत्र एवं पुत्रवधू डॉ रोशन सिंह राठौर- रीमा राठौर, डॉ सूरज सिंह राठौर - डॉ कल्पना राठौर इस प्रथा में देते है अपना पूरा सहयोग मुहल्ले में रहता हैं शिव भक्ति का माहौल, इस संबंध में डॉक्टर सूरज सिंह राठौर ने बताया कि यह परंपरा दशकों से चली आ रही है, जिसका निर्वहन उनके परिवार जनों द्वारा किया जा रहा है, एवं इस धार्मिक आयोजन को लेकर जहां पूरे ग्राम वासी भी इसमें एकत्रित होते हैं, तो वहीं इस पूजा का एक अलग ही उत्साह देखते ही बनता है।

दीपावली पर लक्ष्मी पूजा श्रद्धा भक्ति एवं आतिशबाजी के साथ मनाई गई

धूमधाम से पटाखे की गूंज पांच दिन तक रही

बेमेतरा। पांच दिन तक चलने वाली दीपावली पर्व में इस वर्ष लक्ष्मी पूजा 2 दिन किया गया लक्ष्मी पूजा श्रद्धा भक्ति एवं आतिशबाज़ी हर्षोल्लास के साथ नगर समेत संपूर्ण जिले में मनाई गई व्यापारियों द्वारा अपनी अपनी प्रतिष्ठाओ में तथा विभिन्न श्रद्धालुओं के घर घर महालक्ष्मी एवम गणेश सरस्वती की विशेष पूजा अर्चना पंडितों के द्वारा कराई गई पश्चात पटाखे फोड़े गए इस अवसर पर फटाके की गूंज 5दिन तक जबरदस्त रही

वही लक्ष्मी पूजा की रात जिला मुख्यालय सहित विभिन्न गांव में गौरी गौरा का विधि विधान के साथ पूजा रात भर गाजे बाजे के साथ कर दूसरे दिन आतिशबाजी के साथ ही तालाब में विसर्जन कर दिया गया गौरा गौरी भारतीय संस्कृति एवं परंपरा गत पर्व है जिसे चौक चौराहे पर लक्ष्मी पूजा के दिन स्थापित किए जाते हैं और इनका विधि नियम परंपरा के अनुसार गौरा गौरी का विवाह की रस्म पूरी की गई इस दौरान मोहल्ले वाले इसमें घराती, बाराती की भूमिका निभाएं हैं और परंपरागत गीतों को

के माध्यम से गौरी गौरा की पूजा किया गया और सुबह नगर के विभिन्न वार्डों मे गौरा गौरी की शोभायात्रा निकाली गई पश्चात तालाब में विसर्जन किया गया लक्ष्मी पूजा को लेकर दुविधा की स्थिति रहीं जिसके कारण लोगों ने सोमवार और मंगलवार को लक्ष्मी पूजा दो दिन किया गया गोवर्धन पूजा को जिले मुख्यालय सहित विभिन्न गांव में श्रद्धा भक्ति और खुशी से मनाया गया छत्तीसगढ़ में गोवर्धन पूजा का बड़ा महत्व रहता है इस दिन खास तौर पर व्यापारी किसान व सभी वर्ग के लोग घरों में अन्नकूट के अवसर पर विशेष पूजा अर्चना करते हैं गांव-गांव में गोबर से गोवर्धन की आकृति मूर्ति बनाकर गांव के निर्धारित स्थल पर गोधूलि बेला के समय चरवाहो के समूह द्वारा गोवर्धन पूजा के पश्चात गोबर के बने मूर्ति के ऊपर गायों के खुर पैरों से यह परंपरा की रस्में पूरी की जाती है इसके पश्चात किसान और चरवाहे अपने-अपने मालिकों को माथे में गोबर का टीका लगाकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं इस तरह से गोवर्धन की पूजा की परंपरा पूरी की जाती इसके पश्चात देवी देवताओं के मंदिरों में चरवाहों की टोली पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद गांव जोहारने यह परंपरा आने वाले 1 हफ्ते से लेकर 15 दिनों तक गांव गांव में जारी रहता है इसी के साथ ही गांव गांव में मड़ाई मेला और मातर का भी आयोजन प्रारंभ हो जाता है।

भंवरपुर । ग्राम बूटीपाली में लक्ष्मी पूजा का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष डेविड चौधरी, बेलटिकरी सरपंच उसुम बरिहा, राजकुमार चौधरी सम्मिलित हुए। मंडल अध्यक्ष डेविड चौधरी चौधरी ने मां लक्ष्मी पूजन एवं दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए हर्ष व्यक्त किया।

पियर लर्निंग पद्धति से हो रही करनापाली के बच्चों की पढ़ाई

भंवरपुर। शासकीय प्राथमिक शाला करनापाली में दीपावली अवकाश के दौरान विद्यालय परिवार द्वारा अपने बच्चों के शैक्षणिक विकास हेतु एक अनुपम कार्य के रूप में पियर लर्निंग को अपनाया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार पियर लर्निंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें छात्र एक दूसरे के साथ मिलकर सीखते हैं ना कि केवल शिक्षक से। इस तरीके में छात्र समूह या जोड़ी में काम करते हैं जैसे कि एक दूसरे के असाइनमेंट की समीक्षा करना समस्याओं को हल करना या अवधारणाओं पर चर्चा करना । इससे छात्रों के बीच सहयोग संचार और आत्मविश्वास जैसे कौशल विकसित होते हैं। वर्तमान में करनापाली विद्यालय में बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे नवोदय एकलव्य एवं सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा का तैयारी किया जा रहा है अतः बच्चों को अधिक से

अधिक अभ्यास करने हेतु पियर लर्निंग विधि का प्रयोग किया जा रहा है। प्रधान पाठक गिरधारी साहू ने बताया की सहकर्मी सीखने के सबसे अधिक दिखाई देने वाले तरीकों में से एक संज्ञानात्मक मनोविज्ञान से निकलता है और इसे मुख्य धारा शैक्षिक ढांचे के भीतर लागू किया जाता है सहकर्मी सीखना एक शैक्षिक अभ्यास है जिसमें छात्र शैक्षिक लक्षण को प्राप्त करने के लिए अन्य छात्रों के साथ बातचीत करते हैं। इस प्रक्रिया में विद्यालय में पदस्थ शिक्षक वीरेंद्र कर, शिक्षिका निर्मला नायक के साथ-साथ नवोदय एवं एकलव्य विद्यालयों में पढ़ रहे पूर्व छात्रों का भी सहयोग मिल रहा है। साथ ही साथ शिक्षक वीरेंद्र कुमार कर द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी की दृष्टि से प्रतिदिन नवोदय अभ्यास परीक्षा का नियमित ऑनलाइन पेपर लिया जा रहा है। अवकाश के समय भी बच्चों को नियमित अध्ययन अध्यापन कार्य में जोड़े रखने हेतु किये जा रहे प्रयासों हेतु विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बसना बद्री विशाल जोल्हे सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर एवं बीआरसी अनिल साव ने प्रसन्नता व्यक्त की है। सभी पालक बन्धुओं ने अपने विद्यालय परिवार के इस प्रकार के कार्यक्रमों को देखकर हर्ष व्यक्त किया है एवं सभी ने विद्यालय परिवार को निरंतर आगे बढ़ाने हेतु आशीष दिया है।

श्रेष्ठ योजना अंतर्गत प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 अक्टूबर तक

बलौदाबाजार। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से देश भर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले निजी आवासीय विद्यालयों में मेधावी अनुसूचित जाति (एससी) के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्कीम फॉर रेजीड़ेंशल एजुकेशन फॉर स्टूडेंट्स इन टारगेट एरिया(श्रेष्ठ)योजना संचालित की जा रही है।

इस योजना के तहत प्रत्येक वर्ष सर्वोत्तम निजी आवासीय विद्यालयों का चयन इन मानदंडों के आधार पर किया जाता है। वर्ष 2026-27 के लिए एनईटीएस का आयोजन संभवतः दिसंबर 2025 में किया जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन एवं 30 अक्टूबर, 2025 तक NTA की वेबसाइट https://exams.nta.nic.in/shreshta/https://www.nta.ac.in/ के माध्यम से कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा (श्रेष्ठ) के माध्यम से कक्षा 9 और 11 में प्रवेश के लिए 3000 नए विद्यार्थियों का चयन किया जाता है, जो कक्षा 12 तक की शिक्षा पूरी करते हैं। स्कूलों का आवंटन योग्यता और विद्यार्थियों की प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से किया जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी पुरानी परंपराओं को जीवित रखे हैं निषाद समाज

■ सौखि में ढंककर लोगों को देते है शुभाशीष

बेमेतरा। पुरानी परंपरा के अनुसार कहा जाता है कि दीपावली के दिन निषाद समाज के लोग घर घर जाते है। साथ ही जाकर अपने सौखि(मछली जाली) में लोगों को ढ़ककर उन्हें सुख शांति एंव दीर्घायु की शुभाशीष भी देते है। इस परंपरा की झलक आज भी ग्रामीण अंचल के ग्राम अमचो में दिखा। गांव के शिक्षक नुतेश्वर चंद्राकर ने बताया कि सुबह से ही केवट समुदाय के लोग अपने जाली के साथ घर मे जा जाकर बच्चे, बूढ़े या जवान कोई भी हो उसे ढककर क्षेत्र

की खुशहाली एंव लोगों को उत्तम स्वास्थ्य एंव दीर्घायु की दुआएं देते है। आज के दिन जो भी सौखि में अपने आप को ढकता है वह निरोगी होते है।

प्रकृति के प्रति समर्पण की भाव है गोवर्धन पूजा : नुतेश्वर चंद्राकर

बेमेतरा। पूरे भारतवर्ष में दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पर्वत की पूजा की जाती है।इस दिन गौ माता के गोबर को गिरिराज गोवर्धन पर्वत की आकर बनाकर तथा उसके ऊपर सिलियारी बलिहारी की पौधा लगाकर उसकी पूजा की जाती है। ग्राम अमचो निवासी नुतेश्वर चंद्राकर ने बताया कि इस प्रकार गोवर्धन पर्वत की पूजा करना हमे प्रकृति के प्रति समर्पण की भावना सिखाता है।हम सब भारतवासियों को पर्यावरण के प्रति सजग और समर्पित होना चाहिए।जिससे आने वाले पीढ़ी की जीवन सरल बन सके। पौराणिक कथाओं के अनुसार कहा जाता है कि गोवर्धन पूजा की कहानी भगवान

श्रीकृष्ण के बचपन से जुड़ी है, जब उन्होंने गोकुलवासियों को इंद्रदेव के प्रकोप से बचाने के लिए अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया था। गोकुलवासी इंद्र की पूजा करते थे, लेकिन कृष्ण ने उन्हें समझाया कि इंद्र की पूजा से गायों और गोवर्धन पर्वत की सेवा करना बेहतर है। जब इंद्र क्रोधित होकर भारी वर्षा करने लगे, तो कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उठाकर सभी को सुरक्षित रखा। सात दिनों तक इंद्र की मूसलाधार बारिश के बाद, उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने कृष्ण से माफी मांगी, जिसके बाद से गोवर्धन पूजा की परंपरा शुरू हुई।

जेल की काला पानी की सजा भोगने को मजबूर 200 गाय, न खाने को चारा न पीने को पानी

जांजगीर-चांपा। जांजगीर चांपा जिले के बम्हनीडीह विकास खण्ड के ग्राम पंचायत तालदेवरी से बेजुबानों को लेकर एक खौफनाक मामला सामने आया है जहां लोग अपनी फसल बचाने के चक्कर में करीब 200 गायों को हसदेव नदी के किनारे एनीकेट के पास जाली तार लगाकर उन्हें कैद कर रखा दिया है मिली जानकारी के अनुसार गौ सेवा से जुड़े कुछ युवकों ने बताया की तालदेवरी नहीं किनारे गायों की इस कदर कैद कर रखा गया है मानो गायों ने बहुत बड़ा अपराध कर दियो हो गायों को एक छोटी सी जगह में कांटा तार की जाली बना कर करीब 200 गायो को काला पानी की सजा देने के जैसे कैद कर रखा गया है यहां न तो बेजुबानों के खाने की कुछ व्यवस्था है न पीने के लिए पानी की व्यवस्था की गई है युवको ने बताया की यहां रखे गायों की स्थिति बहुत ही ज्यादा खराब है और बहुत से गाय घायल अवस्था में यहां पड़े हुए हैं।

युवकों ने दिखाई मानवता लगभग 30 घायल गायों की किया उपचार – बम्हनीडीह गौ रक्षक विश्वास सराफ व उनके टिम के युवकों ने तालदेवरी मैं कैद गायों में घायल अवस्था में पड़े करीब 30 गायो का मौके पर उपचार किया विश्वास सराफ ने बताया की यहां गायों की स्थिति काफी दैयनी थी जिनका इलाज किया गया है जिससे उनकी जान बच सकती है गौ रक्षक ने यह भी बताया की यहां और भी कई गायों की मौत हो चुकी है। गौ रक्षको ने यह भी बताया की गायों के खाने पीने की कोई व्यवस्था नहीं है करीब 200 गायों को यहां जाली तार से घेर कर रखा गया है और गायों के पैर व गले में रस्सी भी बांधी गई है जिससे वहां रस्सी बंधी होने के कारण वहां गायों को चोट लग गई है और वह घायल हो चुके हैं ।

मृत गायों को हसदेव नदी में फेंकने का भी आरोप – कुछ ग्रामीणों ने बताया की जिस जगह पर गायों को गांव के जनप्रतिनिधि और ग्रामीण रखें है वहां से बहुत सारे गायों की भुख से तड़पने से मौत हो चुकी है जिन्हें गांव के ही कुछ लोग मृत गायों को हसदेव नदी में फेंक चुके हैं यह गायों को रखने के लिए कोई पहली बार व्यवस्था नहीं की गई है यहां हर साल इसी तरह की तर्किख आजमाई जाती है और गांव के जनप्रतिनिधि और किसान अपनी फसल बचाते हैं ।

इन युवाओं ने दिखाई मानवता घायल गायों का भी किया उपचार – गौ रक्षक विश्वास सराफ, युवराज सिंह चंदेल, चितरंजन ठाकुर, रोहन प्रजापति, रुद्र प्रताप सिंह चंदेल, आर्यन जायसवाल, राहुल आदित्य,लक्की चौहान, त्रिशांत साहू ,नितिन मांझी, शनि केवट, सौरभ यादव, विकास तिवारी, अनूप पटेल, नसीब केवट, मिथुनपटेल ने घायल गायों का उपचार कर उनको नया जीवन दिया है।

लोक संस्कृति का अनूठा रंग, गौरा-गौरी महोत्सव की धूम

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने निभाई सोंटा खाने की परंपरा

भंवरपुर। छत्तीसगढ़ की माटी की महक और लोक-आस्था से सराबोर दीपावली के पावन पर्व पर प्रदेश के कई गांवों की तरह बसना नगर में भी गौरा-गौरी महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। यह लोक पर्व ग्रामीण संस्कृति, पारंपरिक उल्लास और अटूट आस्था का प्रतीक है, जिसका साक्षी बनने बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल वार्ड क्रमांक 10 महात्मा गांधी वार्ड में आयोजित समारोह में सम्मिलित हुए और वार्डवासियों के साथ हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाया।

पारंपरिक उल्लास में झूमा नगर – गौरा-गौरी महोत्सव के तहत, ग्रामीणजनों ने भगवान शिव (गौरा) और माता पार्वती (गौरी) की मिट्टी की मनमोहक मूर्तियां बनाकर श्रद्धाभाव से स्थापित कीं। पारंपरिक मांदर की गूंज, गाजे-बाजे और भक्तिमय नारों जोहर-जोहर मोर गौरा-गौरी के साथ पूरे गांव में भव्य झांकी निकाली गई, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति और उल्लास से भर दिया। यह झांकी नगर भ्रमण के उपरांत गांव के बीच चौक में

विधिवत स्थापित की गई, जहाँ देर रात तक भजन-कीर्तन और लोक गीतों का दौर चला।

विधायक ने किया सोंटा खाने की परंपरा का निर्वहन – लोक पर्व की जीवंतता को बनाए रखते हुए, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने इस अवसर पर गौरा-गौरी पूजा से जुड़ी एक विशिष्ट और साहस भरी परंपरा 'सोंटा खाने' का भी निर्वहन किया। विधायक द्वारा आस्था और संस्कृति के प्रति अपनी गहरी निष्ठा प्रदर्शित करते हुए सोंटा खाने की परंपरा निभाना, क्षेत्रवासियों के बीच चर्चा और प्रशंसा का विषय बना रहा।

हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संजोना हमारा दायित्व विधायक डॉ संपत अग्रवाल – कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि गौरा-गौरी पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह हमारे ग्रामीण जीवन, सामाजिक एकता और सुंदर संस्कृति का एक महान प्रतीक है। जिस तरह से हमारे पूर्वजों ने इस समृद्ध संस्कृति को संजोकर रखा है, हमारा भी यह दायित्व बनता है कि हम आगे आकर इसे निरंतर बढ़ाएँ और अपनी युवा पीढ़ी को भी इसमें रुचि लेने के लिए प्रेरित करें। यह पूजा हम सबको अपनी माटी और जड़ों से जोड़ती है।

विधायक ने आगे कहा कि भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती हम सबके आराध्य हैं, और गौरा-गौरी पूजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर की महानतम पहचान है। इस पावन अवसर पर विधायक ने नगरवासियों से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें पर्व की मंगलमय शुभकामनाएं दीं। पूरा वार्ड इस दौरान पारंपरिक लोक-संगीत और आस्था के रंग में रंगा रहा। इस अवसर पर भारी संख्या मे वार्ड वासी सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

दिवाली अवकाश में खुला हाईकोर्ट, नर्सिंग कॉलेजों को मिली राहत

बिलासपुर। छात्रहित से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में हाईकोर्ट ने दिवाली अवकाश के दौरान विशेष सुनवाई की। जस्टिस अरविंद वर्मा की एकलपीठ ने जीएनएम से बीएससी नर्सिंग में अपग्रेड हुए कॉलेजों को बड़ी राहत दी है। अदालत ने इन कॉलेजों को काउंसिलिंग प्रक्रिया में शामिल करने के साथ ही काउंसिलिंग की अंतिम तिथि 26 अक्टूबर तक बढ़ाने का आदेश दिया। मामला तब सामने आया जब मेडिकल एजुकेशन विभाग ने जीएनएम पाठ्यक्रम से बीएससी नर्सिंग में अपग्रेड हुए कॉलेजों को काउंसिलिंग प्रक्रिया से बाहर कर दिया था। इसके खिलाफ द एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के बाद न्यायालय ने कॉलेजों के पक्ष में निर्णय देते हुए छात्रों के हित में आदेश जारी किए।

थाना प्रभारी पर गिरी गाज जमकर हंगामा हुआ था

बिलासपुर। बिलासपुर के सीपत थाना परिसर के सार्वजनिक टॉयलेट में दरवाजे की जगह पीएम मोदी और सीएम साय की तस्वीरों वाले पोस्टर लगाए जाने का मामला सामने आया। जिसके बाद टीआई पर कार्रवाई की मांग को लेकर बीजेपी नेताओं ने थाना परिसर में जमकर हंगामा किया। वहीं अब इस मामले में बिलासपुर एसएसपी रजनेश सिंह ने सीपत थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण सतपथी को हटा दिया है। साथ ही कई अन्य थाना प्रभारियों का तबादला आदेश जारी किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बिलासपुर रजनेश सिंह के द्वारा जारी तबादला आदेश के मुताबिक 4 इंस्पेक्टर, 7 एसआई और 2 एएसआई के नाम शामिल हैं। आदेश में बताया गया है कि यह स्थानांतरण प्रशासनिक दृष्टिकोण से किया गया है।

घंटी लेकर खेल रही थी बच्ची, आंख में घुसी

बिलासपुर। मस्तूरी में खेलते-खेलते एक बच्ची की आंख में घंटी घुस गई। जिससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। सिम्स में शुरुआती इलाज के बाद उसे रायपुर रेफर कर दिया गया है। वहीं, दिवाली त्योहार के दौरान पटाखों से झुलसकर 40 से अधिक लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है। दरअसल, दीपावली पर सिविल लाइन क्षेत्र का एक परिवार रात में पूजा की तैयारी कर रहा था। इस दौरान 10 साल की बच्ची काव्या पटाखे चलाने के लिए दौड़ रही थी। अचानक उसका पैर किसी सामान से टकराया, जिससे वो गिर गई। इस दौरान पूजा करने के लिए रखी घंटी उसके आंख में घुस गई। इस हादसे में बच्ची खून से लथपथ होकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उसकी हालत देखकर परिजन भी घबरा गए। देखते ही देखते घर में दिवाली की खुशियां मातम में बदल गई। परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए सिम्स लेकर पहुंचे। सिम्स में शुरुआती इलाज के बाद बच्ची का एक्स-रे और सिटी स्कैन कराया गया। घंटी उसकी आंख की झिल्ली के साथ ही मस्तिष्क तक पहुंच गया। जिस कारण न्यूरो सर्जरी की आवश्यकता हुई। लिहाजा, सिम्स से बच्ची को रायपुर रेफर कर दिया गया है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

फार्म हाउस से 9 जुआरी गिरफ्तार, पुलिस की कार्रवाई जारी

बिलासपुर। कोटा थाना पुलिस ने जुआ खेलने वाले लोगों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया है. दो अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल 20 जुआरियों को गिरफ्तार किया है. 20 अक्टूबर को हुई कार्रवाइयों में पुलिस ने 76,280 रुपये नकद, तीन कारें, 10 मोबाइल फोन, चार सेट ताश की गड्डियां और चार बोरी पट्टी जब्त की. थाना प्रभारी तोपसिंह नवरंग के नेतृत्व में ये छापेमारी जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 के तहत की गई, जिससे क्षेत्र में जुआ माफिया में हड़कंप मच गया हैं. मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम लमेर के संतोष कश्यप के फार्म हाउस पर छापा मारा, जहां बड़े पैमाने पर जुआ खेला जा रहा था. घेराबंदी कर 9 जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा गया. पकड़े गए आरोपियों में गिरीश कश्यप (50 वर्ष, इमलीपारा), उधो कश्यप (57 वर्ष, तेलीपारा), मनोज कश्यप (36 वर्ष, कुदूदंड), मिश्रीलाल कश्यप (70 वर्ष, तेलीपारा), कमलेश कश्यप (49 वर्ष, मंगला), चंद्रकांत शर्मा (56 वर्ष, कश्यप कॉलोनी), संतोष कश्यप (47 वर्ष, तेलीपारा), राम पटेल (43 वर्ष, मौहारखार) और विजय सिंह ठाकुर (43 वर्ष, रपटा चौक) शामिल हैं. जब्ती में 69,300 रुपये नकद, तीन कारें और 10 मोबाइल फोन शामिल हैं. सभी के खिलाफ धारा 3(2) जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की गई. 11 जुआरी पकड़े उसी दिन थाना कोटा पुलिस ने अवैध जुआ पर अंकुश लगाने के विशेष अभियान में चार अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की. पहली रेड ग्राम लालपुर सागौन प्लाट में हुई, जहां पीताम्बर यादव, अरुण कुमार धृतेश, सिकंदर डहरिया और सनीकुमार अनंत को 2,710 रुपये नकद व 52 पत्ती ताश के साथ पकड़ा. दूसरी रेड सुदनपारा चौक में अमन विश्वकर्मा और गणेश सिंह राजपूत (760 रुपये व ताश गड्डी) गिरफ्तार हुए.

तरुण प्रकाश,महाप्रबंधक ने आज रायपुर स्टेशन पर त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया

बिलासपुर। दीपावली पर्व के बाद घर वापसी एवं छठ पूजा जैसे प्रमुख त्यौहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा, सुगम यात्रा एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं । यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने एवं उन्हें सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनों जैसे रायपुर, दुर्ग, भिलाई पॉवर हाउस , भाटापारा सहित अन्य भीड़भाड़ वाले स्टेशनों पर विशेष होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं । जहाँ भीड़ नियंत्रण एवं यात्री सहायता के लिए वाणिज्य विभाग सहित अन्य कर्मचारियों की निरंतर ड्यूटी लगाई गई है । इन होल्डिंग एरिया में यात्रियों के लिए खानपान, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं । यात्रियों की त्वरित टिकटिंग सुविधा सुनिश्चित करने हेतु हैंड-हेल्ड मशीनों द्वारा मोबाइल टिकटिंग सुविधा से टिकट जारी किए जा रहे हैं, जिससे यात्रियों को टिकट प्राप्त करने में सुविधा हो रही है । महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने एटीवीएम और मोबाइल टिकटिंग सुविधा द्वारा यात्रियों को टिकट लेते हुए देखा उनके अनुभवों को जाना होल्डिंग एरिया में यात्रियों से बातचीत की खान-पान व्यवस्थाओं हेतू स्टालों का निरीक्षण किया एकीकृत आरक्षण एवं अनआरक्षण केंद्र से टिकट लेने वाले यात्रियों से स्टाफ की व्यवहार कुशलता के बारे में पूछताछ की। यात्रियों को होल्डिंग एरिया अथवा प्रतीक्षालय एवं ट्रेनों में बिठाने, जिन यात्रियों की ट्रेन आने वाली हो उन्हें प्लेटफार्म पर भेजने, फुट ओवर ब्रिज आदि पर यात्रियों की अनावश्यक भीड़ न हो इस पर जोर देते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए । वेटिंग हॉल में स्पेस एवं प्रसाधनों की साफ

सफाई की व्यवस्था देखी। गुढ़ियारी छोर पर चल रहे रायपुर स्टेशन के री डेवलपमेंट कार्यों को लेआउट के माध्यम से जाना परखा कार्य में गतिशीलता लाने हेतु भी दिशा निर्देश दिए । साथ ही यात्रियों से जाना कि उन्हें और किस तरह की और विशेष सुविधा स्टेशन पर मुहैया कराई जाए ताकि उनकी यात्राएं सुखद अनुभव के साथ संपन्न हो। भीड़ भाड़ बढ़ने से स्टेशनों पर यात्रियों को सतत जानकारी प्रदान करने हेतु निरंतर उद्घोषणा की जा रही है, जिससे उन्हें ट्रेनों की स्थिति, प्लेटफॉर्म परिवर्तन एवं अन्य आवश्यक सूचनाएँ समय-समय पर प्राप्त होती रहें । यात्रियों की सहायता के लिए वाणिज्य, सुरक्षा एवं अन्य संबद्ध विभागों के कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है, जो भीड़ नियंत्रण, यात्री मार्गदर्शन एवं सुविधा सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं । मुख्यालय एवं मंडलों में स्थापित वार रूम से स्टेशनों की व्यवस्थाओं पर 24×7 रियल-टाइम निगरानी की जा रही है । इसके लिए अधिकारियों की विशेष ड्यूटी निर्धारित की गई है । साथ ही, सुरक्षा नियंत्रण कक्ष से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सभी प्रमुख स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था पर निरंतर नजर रखी जा रही है । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के साथ मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर श्री दयानंद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के दौरान संयम एवं सहयोग बनाए रखें, रेलवे द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा अपने सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें ।

गोंदिया एवं पटना के मध्य एक-एक फेरे के लिए छठ स्पेशल ट्रेन की सुविधा.....

■ छठ पूजा में आने - जाने के लिए कंफर्म बर्थ की गारंटी

बिलासपुर। छठ पूजा के अवसर पर छठ पूजा में शामिल होने जाने व आने वाले यात्रियो की विशेष सुविधा तथा उन्हे कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुनिश्चित करने हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा छठ स्पेशल गाड़ी 08889/ 08890 गोंदिया-पटना-गोंदिया के मध्य एक-एक फेरे के लिये चलाई जा रही है । यह गाड़ी गोंदिया से 08889 नंम्बर के साथ दिनांक 25 अक्टूबर 2025 को तथा पटना से 08890 नम्बर के साथ दिनांक 26 अक्टूबर 2025 को चलेगी । इस गाड़ी में सभी श्रेणी में पर्याप्त संख्या में सीटें उपलब्ध है, यात्रीगण अपनी सुविधा अनुसार आरक्षण कर आरक्षित सीट का लाभ उठा सकते हैं। गाड़ी संख्या 08889 गोंदिया से दोपहर 12:30 बजे रवाना होकर डोंगरगढ़ 13.26 बजे, राजनांदगाँव 13.50 बजे, दुर्ग 14.45 बजे, रायपुर 15.35 बजे, भाटापारा 16.30 बजे, बिलासपुर 18.00 बजे, चांपा 19.00 बजे, रायगढ़ 20.10 बजे तथा झारसुगुड़ा 21.45 बजे होते हुये अगले दिन 16:30 बजे पटना स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08890 पटना से 18:10 बजे रवाना होकर रास्ते के ठहराव वाले स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन झारसुगुड़ा 14.23 बजे, रायगढ़ 15.28 बजे, चांपा 16.38 बजे, बिलासपुर 18.50 बजे, भाटापारा 19.40 बजे, रायपुर 21.50 बजे, दुर्ग 23.20 बजे होते हुए तीसरे दिन 3:00 बजे गोंदिया स्टेशन पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 02 एसएलआरडी , 06 सामान्य, 12 स्लीपर तथा 02 एसी टू सहित कुल 22 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा 20वीं वार्षिक जिला रैली एवं शिविर स्काउट्स एवं गाइड्स का तीन दिवसीय भव्य आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर ज़िला स्काउट्स एवं गाइड्स संघ द्वारा आयोजित 20वीं वार्षिक ज़िला रैली एवं शिविर का आयोजन दिनांक 24 अक्टूबर 2025 से 26 अक्टूबर 2025 तक रेलवे स्कूल क्रमांक1, बिलासपुर में किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय रैली एवं शिविर में रेलवे विद्यालयों एवं ओपन ग्रुप्स से लगभग 400 स्काउट्स एवं गाइड्स सक्रिय रूप से भाग लेंगे। आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्काउटिंग एवं गाइडिंग से संबंधित विविध प्रतियोगिताएँ, प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण एवं लाइव डेमो, आपदा प्रबंधन पर जागरूकता सत्र, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता विषयक प्रदर्शनी एवं कार्यशाला जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। इन गतिविधियों का उद्देश्य स्काउट्स एवं गाइड्स के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनमें समाजसेवा, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करना है। इस रैली का मुख्य उद्देश्य नवयुवाओं में अनुशासन, सेवा भाव, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रनिर्माण के प्रति समर्पण जैसे मूलभूत स्काउटिंग-गाइडिंग मूल्यों को सुदृढ़ करना है। रैली का उद्घाटन समारोह दिनांक 24 अक्टूबर

2025, शुक्रवार को प्रात: 11:00 बजे आयोजित होगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती भगवती खोईवाल, President, SECRWWO, BSP Division उपस्थित रहेंगी। वहीं, समापन समारोह दिनांक 26 अक्टूबर 2025, रविवार को सायं 5:00 बजे आयोजित किया जाएगा, जिसके मुख्य अतिथि माननीय श्री राजमल खोईवाल, President, BSG/BSP °ß´ DRM/BSP Division होंगे। पूरे आयोजन का संचालन श्री अनुराग कुमार सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया जाएगा।

सरगुजा का सबसे बड़ा छठ घाट घुंघूठा नदी सज धज कर छठ के लिए तैयार...

■ सरगुजा का सबसे बड़ा छठ घाट घुंघूठा नदी सज धज कर छठ के लिए तैयार

अंबिकापुर। घुनघुट्टा नदी तट पर सरगुजा जिले के सबसे बड़े छठ घाट छठ पूजा के लिए तैयार हो गया है। प्रतिवर्ष की भांति घुनघुट्टा श्याम सेवा समिति के द्वारा यहाँ पर छठ पूजा की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। घुनघुट्टा नदी के घाट पर छठव्रतियों के सेवार्थ गठित यह समिति 20 वर्षों से काम कर रही है। छठ पूजा की तैयारियों के लिए समिति के सदस्य दशहरा के तुरंत बाद से ही जुट गए थे। इस समिति के संरक्षक श्री राकेश गुप्ता ने जानकारी दी कि इस वर्ष अधिक बारिश के कारण घाट में कटाव ज्यादा था लेकिन समिति के सदस्यों ने दिनरात एक कर घाट को समतल कर लिया है। उन्होंने जानकारी दी कि बढ़ती भीड़ को देखते हुए घाट के दायरे को बढ़ाकर छठव्रतियों के लिए घाट बंधन हेतु 2000 खंड नदी के दोनों पाट पर बनाये गए हैं। घाट पर रोशनी के साथ ही चेंजिंग रूम की व्यवस्था भी की गई है। घुनघुट्टा श्याम समिति के अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता ने बताया कि यातायात को सुव्यवस्थित रखने के लिए समिति के वालिंटियर पुलिस के साथ तालमेल बनाकर काम करेंगे। उन्होंने जानकारी दी कि नदी के पुल के दोनों ओर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इन दोनों स्थानों में हजारो वाहनों को खड़े करने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने जानकारी दी कि छठ स्थल पर जगराता की व्यवस्था की गई है। इस दौरान समिति के सदस्य प्रेम कुशवाहा, संजू कश्यप, नारद गुप्ता, उत्तम राजवाड़े, मनोज कश्यप, शशि पांडे, गीता प्रसाद, सत्येंद्र कुशवाहा, प्रकाश, संदीप, नीरज, सुरेश, वितिश, तेजराज (बंटी), अभय, राज, मुकेश, शुभम, राकेश, आदर्श, पिंटू, आशीष, मोनू, राकेश, आशु, गणेश, पंकज आदि सक्रिय रहे । घुनघुट्टा नदी के तट पर छठ पूजा की व्यवस्थापक घुनघुट्टा श्याम सेवा समिति ने वहाँ बने 2000 छठ घाट खंडों का टोकन वितरण प्रारंभ कर दिया है। छठव्रती घाटों का यह टोकन समिति के ग्राम करजी-सोहगा स्थित कार्यालय के अतिरिक्त समिति के संरक्षक श्री राकेश गुप्ता के महामाया रोड स्थित आवास से भी प्राप्त कर सकते हैं।

उद्योग मंत्री ने वार्ड क्र. 54 व 55 को दी साढ़े 52 लाख रू. के विकास कार्यों की सौगात

कोरबा । प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम केारबा के वार्ड क्र. 54 व 55 को साढ़े 52 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात दी, दर्री जोन के सुमेधा बस्ती में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री देवांगन ने 03 नये विकास कार्यो का भूमिपूजन किया तथा तत्काल कार्य प्रारंभ कर पूर्ण गुणवत्ता के साथ कार्य संपादन करते हुए समयसीमा में कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। नगर पालिक निगम केारबा द्वारा वार्ड क्र. 54 जमनीपाली अंतर्गत प्राथमिक शाला बरेड़ीमुडा में जिला खनिज न्यास मद से 16 लाख 95 हजार रूपये की लागत से शाला के नवीन भवन का निर्माण किया जाना हैं, वहीं वार्ड क्र. 54 जमनीपाली के ही अंतर्गत प्राथमिक शाला डुमरमुड़ा में जिला खनिज न्यास मद से 16 लाख 95 हजार रूपये की लागत से शाला में नवीन भवन का निर्माण होना हैं। इसी प्रकार वार्ड क्र. 55 सुमेधा में पार्षद निवास के सामने निगम मद से 18 लाख 50 हजार रूपये की लागत से नाली का निर्माण भी किया जाना हैं। दर्री जोनांतर्गत वार्ड क्र. 55 सुमेधा बस्ती में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुए उक्त तीनों विकास कार्यो का भूमिपूजन किया, उन्होने पूजा अर्चना की, शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया तथा शीघ्र कार्य प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी, वरिष्ठ पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन, मण्डल अध्यक्ष मनोज लहरे सहित निगम के पार्षद व जनप्रतिनिधिगण तथा काफी संख्या में बस्ती के नागरिकगण उपस्थित थे। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा कर रहे प्रधानमंत्री - इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का नारा दिया, भारत को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया और हमारा सौभाग्य है कि उनका यह संकल्प तेजी के साथ पूरा हो रहा है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ में 26 लाख प्रधानमंत्री आवासगृहों की स्वीकृत दी है तथा प्रदेश का कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं रहेगा, जिसके पास अपना स्वयं का पक्का घर न हों। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने समाज के सभी वर्गो के लिए दर्जनों कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर इन योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाया है, आज देश में घर-घर शौचालय, घर-घर गैस सिलेंडर, पूरे देश में फोर लेन-6 लेन सड़कों का जाल बिछ चुका हैं, जी.एस.टी. में छुट देने का ऐतिहासिक फैसला लेने से करोंड़ो नागरिकों को इसका सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को तेजी के साथ पूरा किया है, आज महतारी वंदन योजना अंतर्गत प्रदेश की 70 लाख माताओं -बहनों को 1000 रूपये प्रतिमाह मिल रहा है, 3100 रूपये धान की कीमत किसानों को दी जा रही है, 5500 रूपये प्रतिमानक बोरा तेंदूपत्ता की दर संग्राहकों को दी गई है।

नवा बिहान का स्वामी आत्मानंद विद्यालय केशवपुर में आयोजन

■ छात्र-छात्राओं को नशामुक्ति,साइबर क्राइम एवं यातायात के संबंध में किया जागरूक

अंबिकापुर। सरगुजा पुलिस एवं सरगुजा जिले के गैर सरकारी संगठनों/स्वैच्छिक संगठनों/स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं/आध्यत्मिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान् में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा ने स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय केशवपुर में छात्र-छात्राओं को नशे की लत एवं उसके दुष्प्रभाव, साइबर क्राइम एवं साइबर क्राइम से सुरक्षा तथा यातायात के नियमों को पालन करने को ध्यान में रखते हुए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात् स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय के अध्यापक एवं अध्यापिकाओं के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।।नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के संयोजक मंगल पाण्डेय ने अतिथियों एवं समस्त सहभागियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा एक अभिनव पहल है। सरगुजा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में निरंतर यह अभियान सरगुजा पुलिस एवं सरगुजा जिले के स्वैच्छिक संगठनों के द्वारा नशामुक्ति, साइबर क्राइम एवं साइबर क्राइम से सुरक्षा तथा यातायात नियमों का पालन करने हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर अभियान संचालित किया जा रहा है। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लों ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं। उनका सर्वांगीण विकास करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है, अत: आज नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान सरगुजा के द्वारा नशे की लत से दूर रखने, यातायात के प्रावधानों को पालन करने एवं साइबर अपराध एवं साइबर अपराध से सुरक्षित रखने हेतु निरंतर संचालित अभियान सराहनीय कदम है। उपनिरीक्षक अभय तिवारी यातायात पुलिस अम्बिकापुर ने यातायात के प्रावधानों को अनदेखा कर वाहन चलाने से हो रही सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी को आंकड़ों सहित प्रस्तुत करते हुए यातायात के प्रावधानों के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया गया। अनुज जायसवाल साईबर सेल अम्बिकापुर ने आज के समय में हो रहे साइबर अपराधों एवं उसके दुष्प्रभाव तथा साईबर अपराध से सुरक्षा हेतु विस्तार पूर्वक व्याख्यान दिया गया। राजयोगिनी बी के विद्या दीदी ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सामाजिक बुराईयों से दूर रहकर एवं महापुरुषों के जीवन से सीख लेकर ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों जीवन को अच्छे से जीना है तो हमें पहले सुनना सीखना होगा। वरिष्ठ समाज सेवी साहित्यकार कवि संतोष दास सरल ने बच्चों को सामाजिक बुराईयों से दूर रखने हेतु अपने संस्कृति एवं संस्कार को आत्मसात् करने के उद्देश्य से स्वरग ले सुघर हवे हमर सरगुजा स्वरचित काव्य प्रस्तुत किया। सभी बच्चों ने बड़ी खुशी के साथ ताली बजाकर इस काव्य पाठ में आत्मीयता से सहभागिता किया। कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए नवा बिहान नशामुक्ति समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि सरगुजा पुलिस एवं स्वैच्छिक संगठनों के इस अभियान में सिविल सोसायटी, मीडिया, युवाओं एवं समुदाय के अन्य लोगों की सहभागिता अपेक्षित है। डॉ अंचल सिन्हा अध्यापक स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय केशवपुर के द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं सहभागी समस्त सदस्यों का सहृदय धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

घर के मुख्य द्वार पर तोरण लगाना बेहद ही शुभ माना जाता है। हिंदू धर्म में ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। वहीं अगर घर में आम के पत्तों वाले तोरण को समय-समय पर लगाया जाए तो इसके कई लाभ मिलते हैं। हिंदू धर्म में पूजा पाठ के साथ-साथ कई नियमों का पालन करना जरूरी होता है। कुछ परंपराएं तो सदियों से चली आ रही हैं। वहीं कुछ चीजें ऐसी हैं जो सिर्फ परंपरा के चलते ही नहीं निभाई जाती हैं बल्कि इसकी वजह से मन भी बेहद खुश हो जाता है। इन्हीं में से एक परंपरा है तीज त्योहार पर घर में तोरण लगाना। किसी भी मांगलिक काम से पहले तोरण लगाने की प्रथा सदियों से चली आ रही है। इससे ना सिर्फ मुख्य द्वार की सुदंरता बढ़ती है बल्कि कई फायदे भी मिलते हैं। नीचे विस्तार से पढ़ें तोरण लगाने के 5 सबसे फायदों के बारे में...

घर के मुख्य द्वार पर तोरण लगाना शुभ

तोरण लाता है सौभाग्य

घर के मुख्य दरवाजे पर तोरण लगाना शुभ माना जाता है। इसे लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। इससे परिवार में खुशहाली बनी रहती है। इसकी मदद से घर में सुख-समृद्धि आती है और सारे काम धीरे-धीरे बनने लगते हैं।

नेगेटिविटी से बचाता है तोरण

एक ओर तोरण की वजह से घर सुंदर लगता है तो दूसरी ओर ये हमें नेगेटिव एनर्जी से भी बचाता है। आम की पत्तियों और गेंदे के फूल से बना तोरण घर के हर एक कोने से नेगेटिविटी को दूर भगा देता है। इसकी वजह से कोई भी बुरी ऊर्जा हमारे आसपास नहीं होती है और ऐसे में मन शांत रहता है।

बढ़ती है घर की सुंदरता : तोरण की वजह से घर के मुख्य द्वार की सुदंरता देखते ही बनती है। घर का एंट्रेंस इतना खूबसूरत और पॉजिटिव हो तो दिल खुश हो जाता है। इसे पार करके आने वाले सभी लोग अपनी अच्छी एनर्जी के साथ ही घर में एंट्री लेंगे।

खुशी का प्रतीक है तोरण

हिंदू धर्म में तीज-त्योहार पर तोरण लगाना काफी शुभ माना जाता है। खास मौकों पर तोरण लगाने की ये परंपरा काफी पुरानी है। मुख्य द्वार पर इसे लगाने से खुशी और उत्सव का माहौल और भी खूबसूरत बन जाता है। दीवाली, करवाचौथ, शरद पूर्णिमा, राखी और शादी जैसे कई मौकों पर तोरण लगाने की परंपरा है। इसकी वजह से सारे तीज त्योहार खास बन जाते हैं।

सुधरता है घर का वास्तु

तोरण की सबसे खास बात ये है कि इसे लगाने से घर के वास्तु दोष दूर हो जाते हैं। इससे घर का वास्तु सही होता है। साथ ही मान्यता है कि देवी-देवता ऐसे घरों में खुशी-खुशी आते हैं, जहां तोरण लगाया जाता है। इसी वजह से पूजा-पाठ या त्योहार से पहले घर में तोरण लगाना शुभ माना जाता है।

सर्दी के मौसम में जरूर खरीद लें ये 3 तरह के पाउडर

सर्दी के मौसम में स्किन से जुड़ी कई समस्याएं होने लगती हैं, इसलिए समय रहते स्किन की देखभाल करना बेहद जरूरी है। स्किन केयर के लिए बहुत से लोग अलग-अलग तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं, लेकिन केमिकल वाली चीजों के कारण परेशानी बढ़ सकती है। ऐसे में नैचुरल चीजों का इस्तेमाल करना शुरू करना चाहिए। सर्दी में रैशेज की समस्या होने लगती है। वहीं तेज धूप की वजह से स्किन डैमेज होने लगती है। इसलिए नैचुरल चीजों का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा है। यहां हम 3 ऐसे पाउडर के बारे में बता रहे हैं जो आपको सर्दी शुरू होने से पहले जरूर खरीद लेने चाहिए।

चंदन पाउडर

स्किन के लिए चंदन पाउडर काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। इसकी तासीर ठंडी होती है, जिससे यह स्किन की जलन और इरिटेशन को शांत करने में मदद करता है। स्किन केयर में इसे आसानी से शामिल किया जा सकता है। इस पाउडर का इस्तेमाल कई तरीकों से किया जा सकता है। ये रंगत सुधारने के साथ ही टैनिंग खत्म करने में मदद करता है। अच्छी बात ये है कि ये पाउडर सभी स्किन टाइप वाले लोग इस्तेमाल कर सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी पाउडर

मुल्तानी मिट्टी काफी ज्यादा फायदेमंद मानी जाती है। खासकर उन लोगों के लिए जिनकी स्किन ऑयली होती है। इससे बने मास्क को लगाने से स्किन टाइट और यंग नजर आती है। ऑयली स्किन वालों को गर्मी के मौसम में पिंपल्स की समस्या होने लगती है, ऐसे में मुल्तानी मिट्टी स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल हटाकर स्किन की रंगत निखारती है। गर्मियों में इसका इस्तेमाल स्किन के साथ बालों पर भी किया जाता है।

गुलाब की पंखुड़ियों का पाउडर

गुलाब की पंखुड़ियों के पाउडर को कई फेस पैक में मिलाया जा सकता है। यह स्किन को चमकदार बनाने के साथ ही दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करता है। गुलाब की पंखुड़ियों के पाउडर में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी, और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। ऐसे में ये स्किन को टोन करके झुर्रियों को होने से रोकते हैं।

जबरदस्त फिटनेस पाने के लिए ऐसे सेट करें अपनी बॉडी क्लॉक

फिटनेस का समय से बड़ा कनेक्शन है। आप क्या और कब खाते हैं ये दोनों चीजें महत्वपूर्ण हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो सुबह जल्दी उठने की आदत बनाएं। आपको सूर्योदय के समय उठ जाना चाहिए। उठने के 2 घंटे बाद नाश्ता कर लेना चाहिए।

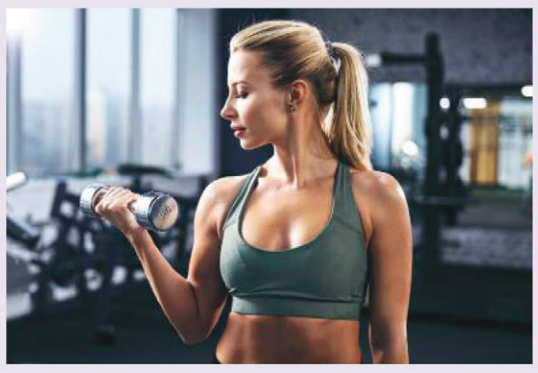

नाश्ते के बाद आपको भूख लगे तो सलाद खा सकते हैं। दोपहर में 1 से 2 बजे के बीच अपने खाने का समय फिक्स कर लें। आपके अपनी बायोलॉजिकल क्लॉक के हिसाब से ही भूख लगती है। इसलिए कोशिश करें रोजाना एक समय पर ही खाएं। शाम को 5 बजे आप कोई हेल्दी स्नैक्स ले सकते हैं। अगर भूख न लगे तो स्नैक्स कोई जरूरी नहीं है। आपको रात का खाना समय पर खा लेना चाहिए। रात का भोजन 6 बजे से 8 बजे के बीच कर लेना चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए भरपूर और गहरी नींद जरूरी है। इसलिए समय पर सो जाना चाहिए। आपको रात में 10 बजे तक सो जाना चाहिए। इस तरह आप अपने पूरे दिन की क्लॉक को फिक्स कर सकते हैं। 10 बजे सोकर आप सुबह 6 बजे उठ सकते हैं। दरअसल हर इंसान की एक नैचुरल बॉडी क्लॉक होती है जिसका नेचर के साथ तालमेल बैठना जरूरी है। जब ये तालमेल गड़बड़ होता तो शरीर में डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और कई दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

इंटेलीजेंट बच्चा चाहिए तो प्रेग्नेंसी में करें ये काम

लगभग हर महिला के लिए मां बनना दुनिया का सबसे खूबसूरत तोहफा होता है और प्रेग्नेंसी के नौ महीने जीवन के सबसे अनमोल पल। जब कोई महिला प्रेग्नेंट होती है, उसके बाद से ही उसमें मातृत्व की भावना जग जाती है। उसी पल से वो अपने आने वाले बच्चे के हित के बारे में सोचना शुरू कर देती है। हर मां की चाहत होती है कि उसका बच्चा स्वस्थ, सुंदर और इंटेलीजेंट यानी बुद्धिमान हो। इसमें कई चीजें काफी हद तक जेनेटिक्स पर निर्भर करती हैं लेकिन फिर भी यदि प्रेग्नेंसी में कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो होने वाली संतान हेल्दी ही नहीं बल्कि और ज्यादा इंटेलीजेंट भी हो सकती है। यहां हम आपके साथ कुछ ऐसी ही छोटी-छोटी टिप्स साझा कर रहे हैं, जिन्हें आप ध्यान में रख सकती हैं।

संतुलित आहार का करें सेवन

होने वाला बच्चा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहे, इसके लिए प्रेगनेंसी के दौरान संतुलित आहार लेना बहुत जरूरी है। प्रेग्नेंट लेडीज को अपने खान-पान का बहुत ध्यान रखना चाहिए। खानपान में ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए जिससे शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन, प्रोटीन और मिनिरल्स मिल सके। प्रेगनेंसी के दौरान जंक फूड खाने के बजाए हरी सब्जियां, फल, ड्राई फ्रूट्स और डेयरी प्रोडक्ट्स भरपूर मात्रा में खाने चाहिए। गर्भ के अंदर पल रहे बच्चे को जब भरपूर पोषण मिलता है, तो बच्चा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ पैदा होता है।

करें योग और मेडिटेशन

प्रेगनेंसी के दौरान डॉक्टर से सलाह लेकर हल्का-फुल्का योग और मेडिटेशन अपने डेली रूटीन में जरूर शामिल करें। योग और मेडिटेशन करने से शरीर तो स्वस्थ रहता ही है, साथ ही मानसिक शांति भी मिलती है। और प्रेगनेंसी के दौरान इस मानसिक सुकून की बहुत ज्यादा जरूरत होती भी है। इससे बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भी पॉजिटिव असर देखने को मिलता है।

अपने बच्चे से करें बात

आपने महाभारत की कथा तो जरूर सुनी होगी जिसमें गर्भ के अंदर पल रहे अभिमन्यु ने अपने माता-पिता की बातें सुनकर युद्ध की कला सीखी थी। ये बात काफी हद तक सही भी है कि गर्भ के अंदर पल रहा बच्चा आपकी बातें सुनता और समझता है। साइंस ने भी इस बात को स्वीकार किया है। इसलिए बच्चे के मानसिक विकास के लिए, मां को अपने गर्भ में पल रहे बच्चे से बातें करनी चाहिए। इससे दोनों के बीच का इमोशनल कनेक्ट भी काफी मजबूत होता है।

सॉफ्ट म्यूजिक सुनें

लाइट म्यूजिक एंजायटी को दूर कर के दिमाग को रिलैक्स करने में बेहतरीन काम करता है। कहा जाता है कि गर्भावस्था के दौरान यदि कोई महिला लाइट म्यूजिक सुनती है, तो इससे गर्भ में पल रहे बच्चे की बुद्धि पर रचनात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए बच्चे के मानसिक विकास के लिए प्रेगनेंसी के दौरान हल्का संगीत सुनना अच्छा माना जाता है।

समय के साथ-साथ हमारे फैशन में भी बड़ा बदलाव

समय के साथ-साथ हमारे फैशन में भी बड़ा बदलाव आता है। जो चीज आज से कुछ साल पहले फैशनेबल थी आज हो सकता है वो एकदम आउट डेटेड हो गई हो और कोई इन्हें पहनना भी पसंद ना करता हो। जाहिर है कि अपनी पर्सनेलिटी को और भी ज्यादा अट्रैक्टिव और चार्मिंग बनाने के लिए फैशन सेंस और ग्रूमिंग का ध्यान रखना जरूरी है। इसलिए समय के साथ-साथ अपने वॉर्डरोब में थोड़ा चेंज जरूर लाते रहना चाहिए। हालांकि कभी-कभार कुछ ऐसे फैशन ट्रेंड भी सेट हो जाते हैं, जो आपकी हेल्थ के लिए काफी नुकसानदायक हो सकते हैं। ऐसे में आंख मूंदकर कोई भी फैशन ट्रेंड फॉलो करने से बचें। आज हम आपको कुछ ऐसे ही क्लोदिंग पीसेज के बारे में बता रहे हैं, जो भले ही आपको फैशनेबल लगें लेकिन हेल्थ के लिहाज से इन्हें अवॉइड करना ही बेहतर है।

हद से ज्यादा टाइट जीन्स

टीनएजर्स के बीच टाइट जीन्स जिसे 'स्किनी जीन्स' भी कहा जाता है, एक मेजर फैशन ट्रेंड की तरह उभरा। अब ये देखने में भले ही आपको कितनी भी स्टाइलिश क्यों ना लगें लेकिन हेल्थ के लिए ये बिल्कुल भी ठीक नहीं। दरअसल स्किनी जीन्स आपके ब्लड फ्लो को इंपैक्ट कर सकती हैं और इसकी वजह से शरीर के निचले हिस्सों में खून का प्रवाह कम हो सकता है। इसके अलावा ये नसों पर भी अतिरिक्त दवाब डालती हैं, जिस वजह से पैरों में दर्द की समस्या बनी रह सकती है। कुछ मामलों में तो ये हद से ज्यादा टाइट जीन्स पुरुषों में इनफर्टिलिटी का कारण भी बन सकती हैं।

ज्यादा ना करें शेपवियर का इस्तेमाल

आजकल महिलाओं के बीच शेप वियर पहनने का ट्रेंड काफी तेजी से बढ़ रहा है। यह एक तरह का अंडर गारमेंट होता है, जिसे पहनकर बॉडी की शेप काफी इंप्रूव हो जाती है और सारा एक्स्ट्रा फैट भी हाइड हो जाता है। अब कभी-कभार तो शेप वियर का इस्तेमाल करना ठीक है लेकिन अगर आप हद से ज्यादा इसे यूज कर रही हैं, तो ये सेहत के लिए बिल्कुल भी सही नहीं। दरअसल शेप वियर आपके पेट को अंदर की ओर पुश करता है, जिससे शरीर के अंदरूनी हिस्से भी अंदर की ओर धंसते हैं। इस वजह से खुलकर सांस लेने में दिक्कत होती है और शरीर को प्रॉपर ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। इसके चलते चक्कर आना, वॉमिटिंग जैसा फील होना और दिमाग में हल्कापन महसूस होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

सिक्विन वर्क वाले कपड़े

चमचमाती, ग्लैमरस सिक्विन वर्क वाली ड्रेसेज भला किसे पसंद नहीं आतीं। पार्टी में जान डालने के लिए ये परफेक्ट आउटफिट होती हैं। हालांकि हेल्थ के लिए सिक्विन वर्क वाले कपड़े पहनना अच्छा नहीं है। दरअसल सीक्विंस बनाने के लिए बिस्फेनॉल ए और थैलेट्स का इस्तेमाल होता है और ये दोनों मटेरियल ही हार्मोनल बैलेंस को बिगाड़ने के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा ये रिप्रोडक्टिव हेल्थ से जुड़ी परेशानियां भी पैदा कर सकते हैं। इसलिए इस तरह के कपड़े ज्यादा पहनने से बचें।

टाइट फिट वाले कपड़े

अपनी सही फिटिंग के कपड़े पहनना सभी को पसंद होता है। खासतौर से अगर आप एकदम फिट हैं तो जाहिर है अपनी बॉडी शेप फ्लांट करना चाहेंगे। तभी तो आजकल टाइट शर्ट्स, बॉडीकॉन ड्रेस और टॉप्स का ट्रेंड बढ़ने भी है। हालांकि अगर आपके वॉर्डरोब में एकदम चुस्त और टाइट फिटिंग वाले कपड़े ही मौजूद हैं, तो इसे जरा चेंज करने की जरूरत है।

आपने अक्सर नोटिस किया होगा कि दिन की शुरुआत अच्छी हो, तो बाकी का पूरा दिन भी अच्छा ही बीतता है। वही अगर सुबह कुछ नेगेटिव सा हो जाए तो उसका असर बाकी के दिन पर भी देखने को मिलता है। तभी तो घर के बड़े-बुजुर्ग अक्सर इस बात पर जोर डालते आए हैं कि सुबह की शुरुआत हमेशा बेहतर ढंग से की जानी चाहिए। अगर सुबह आप एक अच्छा हेल्दी मॉर्निंग रूटीन फॉलो करते हैं तो इसका असर बाकी के दिन पर भी पड़ता है और पूरा दिन बहुत अच्छा गुजरता है। सिर्फ फिजिकल हेल्थ के लिए ही नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ के लिए भी एक अच्छे मॉर्निंग रूटीन का होना बेहद जरूरी है। हालांकि कुछ लोग अपने दिन की शुरुआत ही कुछ टॉक्सिक हैबिट्स के जरिए कर देते हैं, जिसका असर उनके शरीर, दिमाग और यहां तक कि उनकी लाइफ पर भी पड़ने लगता है। आइए जानते हैं कुछ ऐसी ही नेगेटिव मॉर्निंग हैबिट्स के बारे में।

देर तक बिस्तर पर पड़े रहना

दिन की हेल्दी और पॉजिटिव शुरुआत के लिए सुबह जल्दी उठना बहुत जरूरी है। पहले के समय में लोग सूरज उगने से भी पहले उठ जय करते थे, लेकिन बदलते समय के साथ लोगों में ये आदत कहीं खो सी गई है। आज के समय में रात में देर तक जागना और सुबह देर तक बिस्तर पर पड़े रहना लोगों की एक कॉमन आदत हो गई है। लेकिन बता दें ये आदत आपके जीवन पर बहुत नेगेटिव असर डाल सकती है। कोशिश करें कि अपने रूटीन को सूरज के हिसाब से सेट करें। यानी सुबह जल्दी उठें और रात में जल्दी सोएं। ये आपकी फिजिकल, मेंटल हेल्थ और सफलता के लिए भी बहुत जरूरी है।

सुबह उठते ही मोबाइल देखना

मोबाइल ने आज के समय में लोगों के जीवन पर इस कदर कब्जा कर लिया है कि कुछ लोगों की सुबह की शुरुआत ही मोबाइल स्क्रीन देखकर होती है। अगर आप भी उन्हीं लोगों में शामिल हैं तो अपनी इस आदत को तुरंत बदल दें। दरअसल सुबह उठते ही मोबाइल देखने से आंखों पर इसका बहुत बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा मोबाइल में बिजी हो जाने से बाकी के काम पीछे रह जाते हैं और बाद में हड़बड़ी में सारा काम निपटाना पड़ता है। इसका असर अपनी मेंटल हेल्थ पर भी होता है इसलिए बेहतर है कि सुबह उठते ही फोन से दूर रहें।

नेगेटिव थॉट के साथ दिन की शुरुआत

वो कहते हैं ना दिन की शुरुआत जैसी होगी पूरा दिन वैसा ही व्यतीत होगा। इसलिए सुबह की शुरुआत हमेशा पॉजिटिव एनर्जी के साथ करनी चाहिए। अब कुछ लोगों की आदत होती है कि वो सुबह उठते ही नेगेटिव सोचने लगते हैं या नेगेटिव बातें करने लगते हैं, जिसकी वजह से दिन भर उनका मूड डिस्टर्ब रहता है। अगर आपकी भी कुछ यही आदत है तो इस आदत को बदल डालें। सुबह आंख खुलने के बाद सबसे पहले ईश्वर को एक नए दिन के लिए धन्यवाद करें और फिर पॉजिटिविटी के साथ अपने दिन की शुरुआत करें।

5नवम्बर को नवा रायपुर का आसमान गर्व, रोमांच और देशभक्ति के रंगों से सजेगा

छत्तीसगढ़ के आसमान पर भारतीय वायुसेना लिखेगी इतिहास

रजत जयंती पर होगा सूर्य किरण एरोबैटिक टीम का रोमांचकारी प्रदर्शन

लोकतंत्र प्रहरी/रायपुर। छत्तीसगढ़ की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर 5 नवम्बर को राजधानी नवा रायपुर में भारतीय वायुसेना का सूर्य किरण एरोबैटिक शो का आयोजन होगा। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबैटिक टीम अपने रोमांचकारी करतबों का प्रदर्शन करेंगे । यह शो रजत जयंती समारोह का मुख्य आकर्षण होगा।

राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित यह एरोबैटिक शो में 'बॉम्ब बर्स्ट', 'हार्ट-इन-द-स्काई' और 'एरोहेड' जैसी प्रसिद्ध प्रदर्शन होंगे। सूर्य किरण टीम का यह प्रदर्शन छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। यह दिखाएगा कि अनुशासन, तकनीक और टीमवर्क से कैसे असंभव को संभव बनाया जा सकता है। राज्य शासन और भारतीय वायुसेना के संयुक्त प्रयास से आयोजन की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं।

'सूर्य किरण एरोबैटिक शो' केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि यह भारतीय वायुसेना के शौर्य, सटीकता और समर्पण का प्रतीक है।

5 नवम्बर को नवा रायपुर का आसमान गर्व, रोमांच और देशभक्ति के रंगों से सजेगा। सूर्यकिरण टीम का यह ऐतिहासिक शो छत्तीसगढ़ की रजत जयंती का यादगार शो होगा।

उल्लेखनीय है कि 1996 में गठित सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम भारतीय वायुसेना की सटीकता, साहस और तकनीकी दक्षता का प्रतीक है। अपने गठन के बाद से इस टीम ने भारत की हवाई क्षमता और अनुशासन का भव्य प्रदर्शन देश-विदेश के अनेक मंचों पर किया है। सूर्यकिरण टीम एशिया की एकमात्र नौ विमान की एरोबैटिक डिस्प्ले टीम है, जो भारतीय वायुसेना की तकनीकी क्षमता, अनुशासन और समन्वय की मिसाल मानी जाती है। टीम ने अपनी यात्रा की शुरुआत ॥छ्व्ञ्-16 चद्बह्लड्डठ्ठ स्न्द्म-द्बद्ब से की थी। वर्ष 2015 में इसने स्वदेशी तकनीक पर आधारित ॥रु ॥ड्डु2द्म स्न्द्म-132 ,स्र1ड्डठ्ठष्द्गस्र छ्व्द्गह्ल ञ्रह्म्ड्डद्बठ्ठद्गह्म् के साथ नई उड़ान भरी।

आपको बता दें,सूर्य किरण टीम ने भारत और विदेशों में अब तक 700 से अधिक प्रदर्शन किए हैं। श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, ब्रिटेन और थाईलैंड जैसे देशों में इस टीम ने भारत का मान बढ़ाया है। टीम ने सिंगापुर एयर शो, दुबई एयर शो और रॉयल थाई एयर फोर्स की 88वीं वर्षगांठ पर भी शानदार प्रस्तुतियां दीं। इन प्रदर्शनों ने भारत की तकनीकी क्षमता और रक्षा सहयोग की भावना को दुनिया के सामने रखा है।

इस कार्यक्रम को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा- यह छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गौरव का अवसर है कि भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम हमारे रजत जयंती समारोह का हिस्सा बनेगी। छत्तीसगढ़ की रजत जयंती के इस ऐतिहासिक अवसर पर यह शो राज्य के विकास, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव की उड़ान का प्रतीक बनेगा। यह प्रदर्शन न केवल हमारे युवाओं में देशभक्ति और गर्व की भावना को प्रबल करेगा, बल्कि उन्हें राष्ट्रसेवा की प्रेरणा भी देगा। मैं प्रदेशवासियों से आह्वान करता हूं कि वे इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनें और हमारे वीर वायुसैनिकों के कौशल को सलाम करें।

मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीन से 7 स्वीपिंग वाहन लगाकर दीपावली का कचरा साफ करने विशेष रात्रिकालीन सफाई

रायपुर। दीपावली पर्व में भारी मात्रा में निकलने वाले कचरे को साफकरने के उददेश्य से रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र मे सिविल लाईन, पंचशील नगर सहित लगभग 52 मार्गो में विगत 20 और 21 अक्टूबर की रात्रि को विशेष रात्रिकालीन सफाई अभियान मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीन से सात रोड स्वीपिंग वाहन लगाकर लगभग 52 मार्गो में दीपावली पर्व के दौरान जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से स्वच्छता कायम की गयी है। जिससे दीपवाली पर्व के दौरान मुख्य मार्गो में फटाकों का कचरा सहित अन्य सामग्रियों, रैपर आदि के कचरे के ढेर ना दिखें और इस विशेष रात्रिकालीन मैकेनाइज्ड स्वीपिंग अभियान के माध्यम से राजधानी शहर के रहवासियों को दीपावली पर्व के दौरान त्वरित राहत मिले और दीपावली पर्व के दौरान राजधानी शहर क्षेत्र के मार्गो में स्वच्छ वातावरण कायम रह सके।

अरसनारा में युवक की हत्या, आरोपी मौके से फरार

त्यौहार का उत्सव मातम में बदला

दुर्ग। दुर्ग.जिले के नंदनी थाना क्षेत्र के अरसनारा गांव में गौरा गौरी उत्सव के दिन मामूली विवाद में 20 वर्षीय युवक की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई।मृतक की पहचान अशोक कुमार निर्मलकर के रूप में हुई है।रात्रि में हुई हत्या के वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

.नंदिनी थाना प्रभारी परस ठाकुर से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की रात करीब 8.30 बजे की घटना है। गौरा चौक के पास अशोक निर्मलकर और आरोपी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई है। इसी दौरान आरोपी ने चाकू से हमला कर अशोक निर्मलकर मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी रातभर सघन तलाश की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फिलहाल, आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसके संभावित ठिकानों पर पुलिस दबिश दे रही है।

गांव के लोगों के अनुसार गौरी गौरा पूजन के दिन दोनों खाए पिए है। इसी बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी, जो रात्रि में बढ़ते-बढ़ते जानलेवा झगड़े में बदल गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुका था।

बता दें,दीपावली पर्व के दौरान दुर्ग जिले में हुई चौथी हत्या है। एसएसपी विजय अग्रवाल ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की पूरी जांच की जा रही है.और अपराधी को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

छठ महापर्व की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ शुरू

सूर्य उपासना का पर्व 25 अक्टूबर को नहाय-खाय से होगा प्रारंभ, 27 अक्टूबर को संध्याकालीन व्रतधारी सूर्यदेव को देंगे अर्घ्य

लोकतंत्र प्रहरी/भिलाई-दुर्ग । दीपावली के 6 दिन बाद कार्तिक शुक?ल षष?ठी तिथि को मनाये जाने वाले छठ महापर्व की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ शुरू हो गई हैं. सूर्य उपासना का यह पर्व 25 अक्टूबर को नहाय-खाय से शुरू होगा, 26 अक्टूबर को लोहंडा और खरना का व्रत रखा जाएगा. 27 अक्टूबर को व्रतधारी सूर्यदेव को संध्याकालीन अर्घ्य देंगे, 28 अक्टूबर को प्रातःकालीन अर्घ्य के साथ व्रत का समापन करेंगे।

दुर्ग जिले में पर्व की तैयारियां जोरों पर हैं. भिलाई टाउनशिप का सबसे बड़ा सेक्टर-2 तालाब छठ पूजा का मुख्य केंद्र है. जहां हर साल लाखों श्रद्धालु छठ पूजा के लिए एकत्रित होते हैं. इसके लिए श्रद्धालु बेदी सजाने और रंगाई-पुताई में लगे हुए है.इसके अलावा सेक्टर - 7 तालाब,बैकुंठधाम कैम्प के तालाब पर भी तैयारियां जोर-शोर चल रही है ।श्रद्धालु बेदी सजाने के साथ साथ अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए घाट पर अपने नाम और पते भी लिख रहे हैं। इन्हीं के साथ भिलाई नगर निगम और बीएसपी प्रबंधन तालाबों की साफ-सफाई जुटे हुए हैं. तालाबों में पानी भरने का काम भी शुरू हो गया है. 26अक्टूबर तक तालाब में पानी भर दिया जाएगा. श्रद्धालुओं से अपील की जा रही है. कि वे सीमेंट की जगह मिट्टी की बेदी बनाएं, जिससे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे. इसके अलावा हर साल श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए छठ पर्व में फायर ब्रिगेड और स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी घाट पर मौजूद रहेंगी।

झोला छाप डॉक्टरों का आतंकः इलाज के नाम पर लूट-खसोट, मरीजों की जान से खिलवाड़, प्रशासन मौन क्यों

कवर्धा । ग्रामीण अंचलों में झोला छाप डॉक्टरों का बोलबाला लगातार बढ़ता जा रहा है, और प्रशासन की लचर व्यवस्था पर अब सवाल उठने लगे हैं। सेमरहा निवासी डॉक्टर के खिलाफ ग्राम ठाकुरटोला के ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस थाना तरेगांव जंगल में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता महत्तर सिंह व शेरसिंह धुर्वे ने आरोप लगाया है कि उक्त व्यक्ति बिना किसी मान्य डिग्री के इलाज के नाम पर ग्रामीणों से मोटी रकम वसूल रहा है। इलाज के दौरान लापरवाही से एक महिला मरीज की मौत तक हो गई, जबकि दूसरी महिला गर्भपात का शिकार हुई। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपित खुद को एमबीबीएस डॉक्टर बताकर भोले-भाले आदिवासी ग्रामीणों को ठगता है और विरोध करने वालों को पुलिस कार्रवाई की धमकी देता है। पीड़ितों के मुताबिक इलाज के नाम पर हजारों रुपये की ठगी के साथ-साथ जमीन बेचने तक की नौबत आ गई। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपी डॉक्टर द्वारा नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए खुलेआम उपचार किया जा रहा है और क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारी व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी पूरी तरह मौन हैं। मिली जानकारी अनुसार वर्तमान में मामला पुलिस थाना तरेगांव जंगल में दर्ज है तथा इसकी जांच अनुविभागीय अधिकारी पुलिस द्वारा की जा रही है। लेकिन सवाल यह है कि जब पूरे क्षेत्र में झोला छाप डॉक्टर खुलेआम जान से खेल रहे हैं, तो प्रशासन अब तक सो क्यों रहा है। क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही कार्रवाई होगी। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि बिना डिग्री इलाज करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

कराकी-कोन्डरूंज के बीच भीषण सड़क हादसा, दो की मौत एक गम्भीर

कांकेर। दुर्गूकोदल अंतर्गत कोड़ेकुर्से थाना क्षेत्र में बीती रात एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दो बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा ग्राम गुरदाटोल के भूरके पुलिया के आगे मुख्य मार्ग पर 21 अक्टूबर की रात लगभग 7 बजे हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोन्डरूंज और कराकी गांव के बीच यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में आशीष सोरी (17 वर्ष) पिता श्याम सिंह, निवासी कराकी, जो हीरो एचएफ डीलक्स (सीजी 19 बीएच 4727) बाइक चला रहे थे, तथा मंगल सिंह (45 वर्ष) पिता दिरयार, निवासी कोन्डरूंज, जो रॉयल एनफील्ड (सीजी 07 डीए 2667) चला रहे थे, दोनों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। तीसरा सवार कवल सिंह जैन (28 वर्ष) पिता मंगल सिंह, निवासी कोन्डरूंज, गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल दुर्गूकोदल अस्पताल भेजा गया, जहाँ उसका उपचार जारी है।

पुलिस ने की मर्ग कायम, जांच जारी

थाना प्रभारी निरीक्षक योगेश कुमार सोनी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुँचा और घायलों को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया। दोनों मृतकों का पोस्टमॉर्टम किया गया है। थाना कोड़ेकुर्से में मर्ग कायम कर पंचनामा और विवेचना की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पर रोशनी की कमी और तेज रफ्तार इस हादसे के प्रमुख कारण हो सकते हैं। पुलिस घटना की सभी संभावित पहलुओं से जांच कर रही है।

गोवर्धन पूजा की सुबह मातम में बदली, पति ने पत्नी की सब्बल से कर दी हत्या

कवर्धा । जहां एक ओर पूरे क्षेत्र में दीपावली पर्व की खुशियां मनाई जा रही थीं, वहीं ग्राम सोढा में यह पर्व एक दर्दनाक हादसे में बदल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तड़के सुबह लगभग 4 से 5 बजे के बीच ग्राम सोढा निवासी अश्वनी बाई गेंड्रे (उम्र लगभग 45 वर्ष) की उसके ही पति परशुराम गेंड्रे ने किसी पारिवारिक विवाद के चलते सब्बल से सिर पर वार कर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी परशुराम गेंड्रे को हिरासत में ले लिया गया। मृतका के शव का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम कराया जा चुका है। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। दीपों के त्योहार पर हुए इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस ने कहा है कि विस्तृत विवरण पृथक से जारी किया जाएगा। आरोपी को गिरफ्तार न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया गया है।

दीपावली के पावन पर्व पर मां काली की स्थापना कर विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की

रायपुर। बिलासपुर के बिनोवा नगर दुर्गा पूजा पंडाल में दीपावली के पावन पर्व पर मां काली की स्थापना कर विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। पूजा में आरती कर बिलासपुर नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष व पार्षद रविंद्र सिंह ने आशीर्वाद प्राप्त किया। सिंह ने नगर व प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि के लिए मां से प्रार्थना की। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी बी के गोलदार जीवन घोष राहुल दुबे संगीत मोइत्रा बारीक विश्वास अमित चक्रवर्ती सुब्रत बनर्जी आशीष मजूमदार सत्यजीत भौमिक अशोक बोस प्रशांत पांडेय दीपक मजूमदार अनिल चंदेल दिलीप साहू संजय दवे उत्तम चटर्जी राघवेंद्र सिंह संदीप मिश्रा बबलू केसरवानी प्रवीण बर्डे संतोष चौहान गुडडु चंदेल मुकेश दुबे आदि उपस्थित थे। पूजा उपरांत भोग प्रसाद वितरण किया गया।

गुजरात में भिलाई के रिखी दिखाएंगे बस्तर की झलक

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती

स्टैच्यू ऑफयूनिटी एकता नगर गुजरात में 31 अक्टूबर को

देश भर से 7 राज्यों के चुनिंदा सांस्कृतिक दल आमंत्रित

लोकतंत्र प्रहरी/भिलाई । भिलाई छत्तीसगढ़ के लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय और उनका ग्रुप छत्तीसगढ़ बस्तर के विकास को गौर नृत्य के माध्यम से समूचे देश के सामने प्रस्तुत करेगा। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एकता नगर गुजरात में 31 अक्टूबर को होने जा रहा है।

इस आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह मौजूद रहेंगे। गुजरात में देश भर से 7 राज्यों के चुनिंदा सांस्कृतिक दलों को आमंत्रित किया गया है। जिसमें लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय और उनका ग्रुप छत्तीसगढ़ बस्तर की झांकी संग गौर नृत्य की प्रस्तुति देंगे।इस आयोजन में शामिल होने रिखी अपनी टीम के साथ बुधवार को भिलाई से गुजरात के लिए रवाना हो गए हैं।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के 31अक्टूबर समारोह में रिखी क्षत्रिय का ग्रुप गुजरात में 02 नवम्बर तक एकता नगर, गुजरात में रहेगा। छत्तीसगढ़ शासन की ओर से इस संबंध में रिखी क्षत्रिय के नाम पत्र जारी किया गया है। जिसके मुताबिक जनसंपर्क संचालनालय की ओर से सहायक जनसंपर्क अधिकारी तेज बहादुर सिंह भुवाल टीम लीडर होंगे। गुजरात जाने वाले कलाकारों में प्रदीप ठाकुर बालोद, भीमेश सतनामी बेमेतरा, सुनील कुमार बालोद, पारस रजक कैंप दो भिलाई, वेद प्रकाश बालोद, प्रियंका साहू कुम्हारी दुर्ग, हेमा पाटन, तुलसी ध्रुव भिलाई चरोदा, लीना ध्रुव भिलाई चरोदा, नेहा देवांगन कैंप-2 और सीमा विश्वकर्मा कलंगपुर बालोद छत्तीसगढ़, शामिल हैं।

उक्त कलाकारों का चयन रक्षा और गृह मंत्रालय की समिति ने किया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com